
TABLE OF CONTENTS

| | |
|--|----|
| 1. Introduction..... | 3 |
| 2. The Sanskrit Alphabet..... | 4 |
| 3. Sandhi Rules | 5 |
| 3.1 Vowel Sandhi..... | 5 |
| 3.2 Visarga Sandhi..... | 6 |
| 3.3 Consonant Sandhi | 8 |
| 4. Nouns..... | 11 |
| 4.1 Usage & Examples..... | 11 |
| 4.2 Nouns ending in vowels..... | 14 |
| 4.2.1 Masculine Nouns | 14 |
| 4.2.2 Feminine Nouns | 15 |
| 4.2.3 Neuter Nouns | 16 |
| 4.3 Nouns ending in consonants | 17 |
| 4.3.1 Nouns with one stem..... | 17 |
| 4.3.2 Nouns with two stems..... | 18 |
| 4.2.3 Nouns with three stems..... | 18 |
| 5. Pronouns | 19 |
| 5.1 Personal Pronouns..... | 19 |
| 5.2 Interrogative & Relative Pronouns | 20 |
| 6. Verbs | 21 |
| 6.1 Tenses and Moods | 21 |
| 6.2 Conjugations | 22 |
| 6.3 Voice..... | 23 |
| 6.4 Suffixes for Conjugational Tenses and Moods..... | 24 |
| 6.5 Suffixes for Non Conjugational Tenses and Moods..... | 24 |
| 6.6 Suffixes for Strong and Weak form endings | 25 |
| 6.7 Examples..... | 28 |
| 7. Verbal Derivatives | 30 |
| 7.1 कृत् प्रत्ययाः..... | 31 |
| 7.1.1 General Rules..... | 31 |
| 7.1.2 Participles..... | 32 |
| 7.1.2.1 Declinable Participles | 32 |
| 7.1.2.2 Indeclinable Participles..... | 34 |
| 7.1.3 Verbal Nouns | 34 |
| 7.1.3.1 List of कर्तरि कृत् affixes covered..... | 34 |
| 7.1.3.2 List of भावे कृत् affixes covered..... | 38 |
| 7.2 तद्धित प्रत्ययाः..... | 40 |
| 7.2.1 General Rules..... | 40 |

| | |
|--|----|
| 7.2.2 List of तद्धित affixes covered | 41 |
| 8. Derivative Conjugations | 46 |
| 8.1 Causative..... | 46 |
| 8.2 Desiderative | 47 |
| 8.3 Frequentative | 48 |
| 8.4 Denominative..... | 48 |
| 9. समासाः | 49 |
| 9.1 द्वन्द्व | 49 |
| 9.2 कर्मधारय..... | 49 |
| 9.3 तत्पुरुषः | 50 |
| 9.4 बहुव्रीहि..... | 51 |
| 9.5 अव्ययीभावः..... | 52 |
| 9.6 उपपद | 53 |
| 9.7 गति..... | 53 |
| 9.8 प्रादि | 53 |
| 10. Verses from Gita..... | 54 |

1. Introduction

संस्कृतम् is derived from the past participle of the root कृ , to do, with the prefix सम् , well. The word thus means “that which is well done”. The uniqueness of the language is that it uses 2200 verbal roots (धातु), to generate an entire vocabulary of millions of words. The words are formed from these roots by the addition of prefixes and suffixes (affixes; प्रत्यय) according to well-defined rules. संस्कृतम् is phonetically precise, that is, every sound is represented by a unique symbol. When two sounds come together in संस्कृतम् , they combine with one another according to well-defined set of rules called euphonic combination, or सन्धि rules.

All the words in संस्कृतम् may be classified into three basic types. They are:

1. Declinable word (सुबन्त) – is a word that varies according to gender (पुंलिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग, and नपुंसकलिङ्ग) number (एकवचन, द्विवचन, बहुवचन) and case (प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पञ्चमी, षष्ठी, सप्तमी, सम्बोधन). Declinable words include nouns (नाम; eg. रामः, गुरुः), pronouns (सर्वनाम; eg. सः) and adjectives (विशेषण; eg. उष्णः hot)
2. Indeclinable word (अव्यय) – is a word that never varies, except when affected by phonetic rules (सन्धि). Indeclinable words include adverbs (नित्यम्, केवलम्, चिरम्, दूरम्), prepositions or prefixes (प्र, अनु, वि, प्रति, उप), conjunctions (अथवा) and interjections (ह, वा)
3. Verb (क्रियापदम्) – is a word that varies according to the number, person, tense, mood and voice. धातु, the original form of the verb, is conjugated in six tenses and four moods. In each tense and mood there are three persons (प्रथम (third), मध्यम (second), उत्तम (first)).

In संस्कृतम् , any word has two elements:

1. प्रकृति – known as धातु, is the original form of the finite verb.
2. प्रत्यय – is the termination which is added to the धातु; प्रकृति + प्रत्यय = पदम् (word)

2. The Sanskrit Alphabet

अचः (स्वराः) Vowels

| | | | | | | |
|---------------|---|---|---|---|---|---|
| Simple Vowels | अ | आ | इ | ई | उ | ऊ |
| | ऋ | ॠ | ऌ | ॡ | | |
| Diphthongs | ए | ऐ | ओ | औ | | |

हलः (व्यञ्जनानि) Consonants

| | Hard | Hard Aspirate | Soft | Soft Aspirate | Soft Nasal | Soft Semi-vowels | Hard Sibilants |
|----------|------|---------------|------|---------------|------------|------------------|----------------|
| Guttural | क | ख | ग | घ | ङ | ह | : |
| Palatal | च | छ | ज | झ | ञ | य | श |
| Lingual | ट | ठ | ड | ढ | ण | र | ष |
| Dental | त | थ | द | ध | न | ल | स |
| Labial | प | फ | ब | भ | म | व | : |

गुण and वृद्धि Table

| | अ आ | इ ई | उ ऊ | ऋ ॠ | ऌ |
|--------|-----|-----|-----|-----|-----|
| गुण | अ | ए | ओ | अर् | अल् |
| वृद्धि | आ | ऐ | औ | आर् | आल् |

3. Sandhi Rules

3.1 Vowel Sandhi

| Rule Name | Rule | Example(s) |
|---------------|---|--|
| दीर्घ सन्धि: | अ or आ + अ or आ → आ इ or ई + इ or ई → ई उ or ऊ + उ or ऊ → ऊ ऋ or ॠ + ऋ or ॠ → ॠ | मुनिना अटामि = मुननाटामि नमसि ईश्वरम् = नमसीश्वरम् किन्तु उवाच = किन्तूवाच कर्तृ ऋजुः = कर्तृजुः |
| गुण सन्धि: | अ or आ + इ or ई → ए अ or आ + उ or ऊ → ओ अ or आ + ऋ or ॠ → अर् अ or आ + लृ → अल् | राम ईश्वरम् = रामेश्वरम् गच्छथ उद्यानम् = गच्छथोद्यानम् मुनिना ऋषिः = मुनिनर्षिः |
| वृद्धि सन्धि: | अ or आ + ए → ऐ अ or आ + ओ → औ अ or आ + ऐ → ऐ अ or आ + औ → औ | तिष्ठथ एव = तिष्ठथैव खादथ ओदनम् = खादथौदनम् इन्द्रः च ऐरावतः च = इन्द्रश्चैरावतश्च पश्यथ औघम् = पश्यथौघम् |
| यण् सन्धि: | इ or ई + any dissimilar vowel → य् उ or ऊ + any dissimilar vowel → व् ऋ or ॠ + any dissimilar vowel → र् लृ or ल + any dissimilar vowel → ल् | धावति अश्व = धावत्यश्वः ननु एव = नन्वेव कर्तृ इति = कर्त्रिति |
| अयादि सन्धि | ए + any vowel except अ → अय् or अय् may optionally drop य् ऐ + any vowel except अ → आय् or आय् may optionally drop य् ओ + any vowel except अ → अव् or अव् may optionally drop व् औ + any vowel except अ → आव् | कवे इच्छसि = कवयिच्छसि or कव इच्छसि तस्मै इषुं यच्छति = तस्मायिषुं यच्छति or तस्मा इषुं यच्छति गुरो इति = गुरविति or गुर इति अग्नौ इन्धनम् = अग्नाविन्धनम् |

| | | |
|------------|--|--|
| | or आव् may optionally drop व् ए and ओ followed by अ remain unchanged while the अ is elided. | or अन्ना इन्धनम् मुनये अन्नं यच्छामि = मुनयेऽन्नं यच्छामि प्रभो अधुना = प्रभोऽधुना |
| Exceptions | -Interjections like आ हे अहो do not combine with the following word. ई ऊ and ए, when ि terminations, remain unchanged before vowels. -The final ए of a द्वि व० form followed by any vowel remains unchanged. | वने अतिथिः पश्यति ; वनेऽतिथिर्वसति. कवी इच्छतः ; बन्धू अतिथिं नयतः लभावहे असिम्; ईक्षेथे इन्दुम् |

3.2 Visarga Sandhi

| Name | Rule | Example(s) |
|------|---|--|
| | अ + : + अ → अः changes to ओ and the following अ is elided | धावतः अश्वौ = धावतोऽश्वौ |
| | अ + : + any vowel except अ → विसर्ग is dropped | धावतः आकुलौ = धावत आकुलौ |
| | अ + : + soft consonant → विसर्ग changes to ओ | पुत्रः धावति = पुत्रो धावति |
| | आ + : + any vowel or soft consonant → विसर्ग is dropped | बालाः धावन्ति = बाला धावन्ति जनाः अटन्ति = जना अटन्ति |
| | -Any vowel except अ or आ + : + any vowel or soft consonant the विसर्ग is replaced by र् | बालैः धावति = बालैर्धावति मित्रैः अटति = मित्रैरटति |
| | -Any vowel + : + hard consonant remains unchanged before क् ख् प् फ् श् ष् स् | पुत्रः खनति । जनाः पतन्ति । बालः सरति । |

| | | |
|----------|--|--|
| | Any vowel + : + च् or छ् → श् | जनाः चलन्ति = जनाश्चलन्ति |
| | Any vowel + : + ट् or ठ् → ष् | पठतः टिकाम् = पठतष्टिकाम् |
| | Any vowel + : + त् or थ् → स् | पुत्रः तरति = पुत्रस्तरति |
| | Any vowel + : + श् → श् or a विसर्ग Any vowel + : + ष् → ष् or a विसर्ग Any vowel + : + स् → स् or a विसर्ग | रामः शरणम् or रामश्शरणम् नमः षण्मुखाय खर नमष्षण्मुखाय बालः सरति or बास्सरति |
| Final र् | Final स् and र् turn into visarga | नमथस् = नमथः, नेतर् = नेतः |
| | so also in the adverb | पुनर् = पुनः, प्रातर् = प्रातः |
| | Exception: Visarga standing for the final र् even when preceded by अ or आ and followed by a vowel or a soft consonant is changed to र् | पुनः अपि = पुनरपि, पितः वदसि = पितर्वदसि, मातः इन्दुं पश्यसि = मातरिन्दुं पश्यसि । |
| सः & एषः | सः and एषः drop their visarga before any consonant and before any vowel except अ. Before अ, they become सो and एषो while the following अ is elided. | सः इच्छति → स इच्छति एषः वीरः → एष वीरः एषः अर्जुनः → अषोऽर्जुनः |
| for अमी | The final ई of अमी (nom. pl. masc. of अदस्) never combines with following vowels. | अमी अश्वाः, अमी ईक्षन्ते |

3.3 Consonant Sandhi

| Name | Rule | Examples |
|--------------------|--|--|
| Change of न् to ण् | If in the same word न् is preceded by र्, ष्, ऋ or ॠ and followed by a vowel, न्, म्, य्, व् it is changed to ण्. The rule applies even when the न्, is separated from the preceding र्, ष् or ॠ by several letters, provided those intervening letters be vowels, gutturals, labials, or य्, व्, ह् and anusvara. | पत्रा-नि = पत्रणि, नरे-नि = नरेण रामाय-न = रामायण; नरान् because न् is followed by nothing; पुष्यन्ति because न् is followed by त्; अजुनेन because the intervening ज् is neither a vowel, a guttural, a labial nor य्, व्, ह्, anusvara |
| | No Sanskrit word can end with more than one consonant. A final compound consonant must be reduced to its first member | मरुत्स् → मरुत् |
| | Exception is made for a final double consonant the first member of which is र् and the मध्यम a consonant which is not a termination. | ऊर्ज् → ऊर्क |
| | A Sanskrit word (i.e. a verb with its termination or a nominal stem with its case-ending) can end only with one of the eight following consonants: क् ट् त् प् ङ् न् म् or visarga. All other final consonants must be reduced to one of these eight. ह् and Palatels are reduced | वाच् → वाक् सम्राज् → सम्राट् प्रावृष् → प्रावृट् |

| | | |
|--|---|---|
| | <p>to क् or द्</p> <p>Celebrals are reduced to ट्</p> <p>Dentals are reduced to त्</p> <p>Labials are reduced to प्</p> <p>स् and र् are reduced to visarga</p> | <p>सुहृद् → सुहृत्</p> <p>ककुभ् → ककुप्</p> <p>कविस् → कविः पितर् → पितः</p> |
| | <p>A final hard consonant becomes soft before a vowel or a soft consonant.</p> | <p>नृपात् अलभत = नृपादलभत</p> <p>ग्रामात् गच्छामि = ग्रामाद् गच्छामि</p> |
| | <p>This rule does not apply to the final hard consonant of a verbal base or a nominal stem followed by a termination or a case-ending beginning with a vowel or a semi-vowel. It does apply, however, when the final consonant of a verbal base or of a nominal stem is followed by a termination beginning with a soft consonant (except a semi-vowel)</p> | <p>पत्+अन्ति=पतन्ति मरुत्+ए=मरुते</p> <p>क्षिप्+य+ते=क्षिप्यते</p> <p>मरुत्+भि=मरुद्भिः</p> |
| | <p>A soft consonant becomes hard before a hard consonant.</p> | <p>सुहृद् + सु = सुहृत्सु एतद् + पतति = एतत्पतति ।</p> |
| | <p>This rule does not apply to the final soft aspirate of a verbal root followed by a termination beginning with त् or थ्. In that case, the final consonant of the root loses its aspiration, and the त् or थ् of the termination is changed to ध</p> | <p>लभ् + त = लब्ध</p> |
| | <p>When घ् ध् भ् and ह् lose their aspiration owing to combination with the following consonants, the preceding consonant becomes aspirate, if possible.</p> | <p>कामदुह् becomes कामधुक्</p> |

| | | |
|--|--|---|
| Final न् | Final न् preceded by a short vowel and followed by any vowel is doubled. | प्रहसन् आगच्छति = प्रहसन्नागच्छति बलिन् अजयः = बलिनजयः |
| | Final न् followed by च् or छ् is replaced by anusvara and श् followed by ट् or ठ् is replaced by anusvara and ष् followed by त् or थ् is replaced by anusvara and स् | तान् च = तांश्च धीमान् टीकां पठति = धीमांष्टीकां पठति अरीन् तडायति = अरींस्ताडयति |
| Dentals in contact with palatals, cerebrals and ल् | Any dental coming into contact with a palatal is changed to the corresponding palatal. | सुहृत् चलति = सुहृच्चलति । आनयत् जलम् = आनयद् जलम् = आनयज्जलम् तत् श्रुत्वा = तच् श्रुत्वा |
| | Initial श् preceded by any of the first four letters of a class is optionally changed to छ् | तच् श्रुत्वा optionally becomes तच्छ्रुत्वा |
| | Any dental coming into contact with a cerebral is changed to the corresponding cerebral | अपिवत् टाङ्गम् = अपिवट् टाङ्गम् पुष् + त = पुष्ट |
| | The preceding rule does not apply when a dental is followed by ष् | अभक्ष्यत् षाडवम् |
| | A dental followed by ल् is changed to ल न् followed by ल् is changed to nasalized लँ | एतद् लभते = एतल्लभते वृक्षान् लुम्पति = वृक्षालँ लुम्पति |

4. Nouns

| Case (विभक्ति) | Meanings |
|-----------------------|--------------------------------------|
| प्रथमा (Nominative) | कर्ता (subject) |
| द्वितीया (Accusative) | कर्म (object) |
| तृतीया (Instrumental) | करणम् (Instrument) by/with/through |
| चतुर्थी (Dative) | सम्प्रदानम् (Indirect object) for/to |
| पञ्चमी (Ablative) | अपादानम् from/than |
| षष्ठी (Genitive) | सम्बन्ध of/among |
| सप्तमी (Locative) | अधिकरणम् (Location) in/on/at |
| सम्बोधन (Vocative) | सम्बोधन (Address) Oh/ye |

4.1 Usage & Examples

| विभक्ति | Used to Indicate | Examples |
|----------|---|---|
| प्रथमा | -the subject of a finite verb -the subjective complement -as an adjective in apposition to the subject | ईश्वरः रक्षति । Īśvara protects. बालाः भवन्ति चतुराः । The boys are intelligent. चतुरः देवदत्तः वदति । The intelligent Devdatta speaks. |
| द्वितीया | -direct object of transitive verb -objective complement -after verbs indicating movement | ईश्वरः जनान् रक्षति । Īśvara protects the people. रामः वीरं बोधामः । We know Rāma (to be) hero. दासः कूपं गच्छति । The servant goes to the well |
| उपसर्गाः | अति (above), अनु (after/long), उप (below/near), अभितः (near/in front of), परितः (around), सर्वतः (on all sides of), उभयतः (on both sides of), धिक् (lie on), अन्तरेण (without/concerning), अन्तर (in between), उभयतः (on both sides of), समया/निकषा/ अभि (near), विना (without), प्रति (towards) | अति कनकं सुखम् । अनु नृपं नरः व्रजति । उप देशं नृपः (भवति) । स्थानं अभितः बालः फलानि खादति । पर्वतं परितः वृक्षाः रोहन्ति । ग्रामं सर्वतः कमलानि रोहन्ति । पर्वतं उभयतः वृक्षाः रोहन्ति । धिक् काकान् । वनं समया वसामः । कनकं विना शरीरं जीवति । अन्नं अन्तरेण कर्म रोहति । वने अन्तर ग्रामः भवति । पर्वतं प्रति बालः धावति । गृहं अभि क्रीडामः । |
| तृतीया | -agent of passive verb -instrument or means by which action is done. | रामेण मृगं दृश्यत । A deer is seen by Rāma. बालः मुखं हस्ताभ्यां गृहति । The boy hides face with (his) hands. |

| | | |
|---|--|--|
| particle | -person or thing accompanying the action | कृष्णेन गच्छामि । I go with Kṛṣṇa. |
| | -cause or reason (i.e. to translate expressions: 'owing to, 'on account of, 'out of, 'because of') | दुःखेन ग्रामं त्यजामि । On account of misery, I leave the village. |
| | -translate expressions like: 'by name', 'by nature', 'by family', 'by birth', etc. | स्वभावेन रामः वीरः भवति । Rāma is a hero by nature. |
| | -time and sapce in which the action is performed | द्वादशभिवर्षैर्व्याकरणं श्रूयते । Grammer is learnt within twelve years. |
| | अलम् (enough) कृतम् (enough). | अलं शोकेन । Enough with grief. कृतं कोलाहललेन । Enough with noise. |
| उपसर्गाः | सह (with) | कृष्णेन सह गच्छामि । I go with Kṛṣṇa. |
| | विना (without) | उपनेत्रेण विना न पश्यति । He does not see without glasses. |
| चतुर्थी | -indirect object of verbs meaning 'to give', 'to send', 'to promise', 'to show' | आचार्यः शिष्येभ्यः पुस्कानि यच्छति । The preceptor gives the books to the students. |
| | -govern the verbs meaning 'to be angry with', 'to desire, 'to long for'. | जनकः पुत्राय कुप्यति । The father is angry with the son. |
| | -to express the purpose of action. | युद्धाय गच्छति । He goes for war (with a purpose to fight). |
| | -purpose or thing for whom the action is done | कूपं पुत्रेभ्यः खनति । He digs well for (his) sons. |
| | -after the verbs indicating action | दासो ग्रामाय गच्छति । The servant goes to the village. |
| | particle | नमः |
| स्वस्ति | | नृपाय स्वस्ति । Hail to th king. |
| पञ्चमी | -thing from which something is seperated | फलं वृक्षात् पतति । The fruit falls from the tree. |
| | -source or place from which action begins | ऋषिः वनात् गच्छति । The sage goes from the forest. |
| | -govern verbs 'to resist from', 'to protect', 'to be afraid from' | बालः चोरेभ्यः बिभेति । The boy is afraid of thieves. |
| | -cause or motive of an action | सम्मोहात् अमृति विभ्रमः भवति । Out of delusion arises loss of memory. |
| उपसर्गाः | प्राक् (before, to the east of), ऋतेः (without), विना (without) पूर्वम् (before), बहिः (outside), अनन्तरम् (after), आ प्रभृति (until/since/beginning from) | प्राक् गिरे इन्दुं पश्यति । He sees the moon to the east of the mountain. जलात् विना वृक्षः न जीवति । The tree does not live without water. |
| | षष्ठी | -the relation of one noun to another, usually rendered into english by the preposition 'of' |
| -translate "to have" | | छात्राणां पुस्कानि भवन्ति । Of the students there are books. नृपस्य पुत्रः अस्ति । Of the king there is son. |
| -with verbs meaning 'to be master of', 'to have mercy', 'to remember', 'to favor', 'to trust in' | | मातुः स्मरामि । I remember my mother. |
| -often, instead of dative, after verbs meaning 'to give', 'to tell', 'to promise', 'to show', 'to send' | | तेषां दीयतां शरणम् । Let shelter be given to them. |

| | | |
|----------|--|---|
| उपसर्गाः | -with nouns derived by means of primary suffix | सेनाया नेता । Leader of the army. |
| | -instead of the instr., with ppp used the present | रामस्य or रामेण पूजितः । Honoured by Rāma. |
| | -after superlatives | नराणां श्रेष्ठः । The best of men. |
| | -with adjectives meaning 'dear', 'dependent on', 'versed in', 'equal to' | स राज्ञ प्रिय आसीत् । He was dear to the king . |
| | -express a sense of 'since' | मुनेरागतस्य पञ्चमो दिवसः । The sage came five days ago. |
| | उपरि (above), अधः (below), पुरतः (in front of) पश्चात् (behind), परतः (beyond), अग्रे समक्षं (in the presence of), कृते (for the sake of) | . मेघानां उपरि रविः चलति । The sun moves above the clouds. तृणस्य राशेः अश्वः कविः इषुं विन्दति । The poet finds the arrow under a heap of grass. गृहस्य पुरतः वृक्षाः भवन्ति । There are trees in front of the house. |
| | -use as Genitive Absolute | रावणस्य पश्यतः अपि रामः राक्षासान् हन्ति । Rāma killed the demons, inspite of the fact that Rāvaṇa was looking on. पितुः पश्यतः अपि बालः भ्रातरं तुदति । Even though his father is looking on, the boy strikes his brother. |
| सप्तमी | -the place where the action takes place | क्रीडाङ्गणे क्रीडामि । I play in the playground. |
| | -time when the action takes place | ग्रीष्मे नगरं गच्छामि । In summer I go to the city. |
| | -indicating movement such as 'to fall', 'to place', 'to throw', 'to send', 'to enter'. | बालः गृहे विधति । The boy enters the house. |
| | -expressions like 'concerning', 'matter of' | विनये गोविन्दः प्रथमस्तिष्ठति । In the matter of modesty Govinda stands first |
| | -object of emotion and feelings | रामे स्निह्याति । I feel affection for Rāma. |
| | -object towards which an action is directed | मूल्ये विवदेते । The two are disputing about the price. |
| | -nouns denoting lordship or claim | ग्रामे स्वामी । Master of (over) the village. |
| | -adjectives meaning 'skilful', 'well-versed' etc, | युद्धे निपुणः । Skillful in war. |
| | -sometimes instead of dative with verbs meaning 'to give', 'to bestow', 'to promise', etc | धनं दरिद्रेषु वितरति । He gives money to the poor. |
| | -render the meaning of among | . नरेषु त्वं श्रेष्ठः । Thou are best among men. |
| | -use in locative absolute सति सप्तमी | रामे वनं गच्छति सर्वे जनाः दुःखिताः । While Rāma was going to the forest, all people were unhappy. सीतायां तं पश्यन्त्यां कैकेयी अहसत् । When Sitā was wathing him, Kaikeyi laughed. आत्मा न हन्यते हन्यमाने शरीरे । Ātmā is not killed, when the body is being killed |
| सम्बोधन | -case of address हे शिशो ! ! O baby! | |

4.2 Nouns ending in vowels

4.2.1 Masculine Nouns

| | राम | | | मुनि | | | शिशु | | |
|----------|---------|------------|----------|--------|------------|----------|--------|------------|----------|
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | रामः | रामौ | रामाः | मुनिः | मुनी | मुनयः | शिशुः | शिशू | शिशवः |
| द्वितीया | रामम् | रामौ | रामान् | मुनीम् | मुनी | मुनीन् | शिशुम् | शिशू | शिशून् |
| तृतीया | रामेण | रामाभ्याम् | रामैः | मुनिना | मुनिभ्यम् | मुनिभिः | शिशुना | शिशुभ्याम् | शिशुभिः |
| चतुर्थी | रामाय | रामाभ्याम् | रामेभ्यः | मुनये | मुनिभ्याम् | मुनिभ्यः | शिशवे | शिशुभ्याम् | शिशुभ्यः |
| पञ्चमी | रामात् | रामाभ्यम् | रामेभ्यः | मुनेः | मुनिभ्याम् | मुनिभ्यः | शिशोः | शिशुभ्याम् | शिशुभ्यः |
| षष्ठी | रामस्य | रामयोः | रामाणाम् | मुनेः | मुन्योः | मुनीनाम् | शिशोः | शिश्वोः | शिशूनाम् |
| सप्तमी | रामे | रामयोः | रामेषु | मुनौ | मुन्योः | मुनिषु | शिशौ | शिश्वोः | शिशुषु |
| सम्बोधन | राम | रामौ | रामाः | मुने | मुनी | मुनयः | शिशो | शिशू | शिशवः |
| | नेतृ | | | पितृ | | | | | |
| प्रथमा | नेता | नातारौ | नेतारः | पिता | पितरौ | पितरः | | | |
| द्वितीया | नेतारम् | नेतारौ | नेतृन् | पितरम् | पितरौ | पितृन् | | | |
| तृतीया | नेत्रा | नेतृभ्याम् | नेतृभिः | पित्रा | पितृभ्याम् | पितृभिः | | | |
| चतुर्थी | नेत्रे | नेतृभ्याम् | नेतृभ्यः | पित्रे | पितृभ्याम् | तृभ्यः | | | |
| पञ्चमी | नेतुः | नेतृभ्याम् | नेतृभ्यः | पितुः | पितृभ्याम् | पितृभ्यः | | | |
| षष्ठी | नेतुः | नेत्रोः | नेतृणाम् | पितुः | पित्रोः | पितृणाम् | | | |
| सप्तमी | नेतरि | नेत्रोः | नेतृषु | पितरि | पित्रोः | पितृषु | | | |
| सम्बोधन | नेतर् | नेतारौ | नेतारः | पितर् | पितारौ | पितारः | | | |

4.2.2 Feminine Nouns

| | लता | | | मति | | | नदी | | |
|----------|-----------------|------------|----------|---------------|-----------|---------|---------|------------|----------|
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | लता | लते | लताः | मतिः | मती | मतयः | नदी | नद्यौ | नद्यः |
| द्वितीया | लताम् | लते | लताः | मतिम् | मती | मतीः | नदीम् | नद्यौ | नदीः |
| तृतीया | लतया | लताभ्याम् | लताभिः | मत्या | मतिभ्याम् | मतिभिः | नद्या | नदीभ्याम् | नदीभिः |
| चतुर्थी | लतायै | लताभ्याम् | लताभ्यः | मत्यै-मतये | मतिभ्याम् | मतिभ्यः | नद्यै | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| पञ्चमी | लतायाः | लताभ्याम् | लताभ्यः | मत्याः - मतये | मतिभ्याम् | मतिभ्यः | नद्याः | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| षष्ठी | लतायाः | लतयोः | लतानाम् | मत्याः - मतये | मत्योः | मतीनाम् | नद्याः | नद्योः | नदीनाम् |
| सप्तमी | लतायाम् | लतयोः | लतासु | मत्याम् - मतौ | मत्योः | मतिषु | नद्याम् | नद्योः | नदीषु |
| सम्बोधन | लते | लते | लताः | मते | मती | मतयः | नदि | नद्यौ | नद्यः |
| | धेनु | | | वधू | | | मातृ | | |
| प्रथमा | धेनुः | धेनू | धेनवः | वधूः | वध्वौ | वध्वः | माता | मातरौ | मातरः |
| द्वितीया | धेनुम् | धेनू | धेनूः | वधूम् | वध्वौ | वधूः | मात्रम् | मातरौ | मातृः |
| तृतीया | धेन्वा | धेनुभ्याम् | धेनुभिः | वध्वा | वधूभ्याम् | वधूभिः | मात्रा | मातृभ्याम् | मातृभिः |
| चतुर्थी | धेन्व - धेनवे | धेनुभ्याम् | धेनुभ्यः | वध्वै | वधूभ्याम् | वधूभ्यः | मात्रे | मातृभ्याम् | मातृभ्यः |
| पञ्चमी | धेन्वाः - धेनोः | धेनुभ्याम् | धेनुभ्यः | वध्वाः | वधूभ्याम् | वधूभ्यः | मातुः | मातृभ्याम् | मातृभ्यः |
| षष्ठी | धेन्वाः - धेनोः | धेन्वोः | धेनूनाम् | वध्वाः | वध्वोः | वधूनाम् | मातुः | मात्रोः | मातृणाम् |
| सप्तमी | धेन्वाम् - धेनौ | धेन्वोः | धेनुषु | वध्वाम् | वध्वोः | वधूषु | मातरि | मात्रोः | मातृषु |
| सम्बोधन | धेनो | धेनू | धेनवः | वधु | वध्वौ | वध्वः | मातः | मातरौ | मातरः |

4.2.3 Neuter Nouns

| | वन | | | वारि | | | मधु | | |
|----------|-------------|------------|----------|-----------|------------|----------|---------|-----------|---------|
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | वनम् | वने | वनानि | वारि | वारिणी | वारिणि | मधु | मधुनी | मधूनि |
| द्वितीया | वनम् | वने | वनानि | वारि | वारिणी | वारिणि | मधु | मधुनी | मधिनि |
| तृतीया | वनेन | वनाभ्याम् | वनैः | वारिणा | वारिभ्याम् | वारिभिः | मधुना | मधुभ्याम् | मधुभिः |
| चतुर्थी | वनाय | वनाभ्याम् | वनेभ्यः | वारिणे | वारिभ्याम् | वारिभ्यः | मधुने | मधुभ्याम् | मधुभ्यः |
| पञ्चमी | वनात् | वनाभ्याम् | वनेभ्यः | वारिणः | वारिभ्याम् | वारिभ्यः | मधुनः | मधुभ्याम् | मधुभ्यः |
| षष्ठी | वनस्य | वनयोः | वनानाम् | वारिणः | वारिणोः | वारिणाम् | मधुनः | मधुनोः | मधूनाम् |
| सप्तमी | वने | वनयोः | वनेषु | वारिणि | वारिणोः | वारिषु | मधन्ति | मधुनोः | मधुषु |
| सम्बोधन | वन | वने | वनानि | वारि-वारे | वारिणी | वारिणि | मधु-मधो | मधुनी | मधूनि |
| | धातृ | | | | | | | | |
| प्रथमा | धातृ | धातृणी | धातृणि | | | | | | |
| द्वितीया | धातृ | धातृणी | धातृणि | | | | | | |
| तृतीया | धातृणा | धातृभ्याम् | धातृभिः | | | | | | |
| चतुर्थी | धातृणे | धातृभ्याम् | धातृभ्यः | | | | | | |
| पञ्चमी | धातृणः | धातृभ्याम् | धातृभ्यः | | | | | | |
| षष्ठी | धातृणः | धातृणोः | धातृणाम् | | | | | | |
| सप्तमी | धातृणि | धातृणोः | धातृषु | | | | | | |
| सम्बोधन | धातृ-धातृर् | धातृणी | धातृणि | | | | | | |

4.3 Nouns ending in consonants

4.3.1 Nouns with one stem

| | पुंलिङ्ग and स्त्रीलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | |
|----------|--------------------------|--------|-------|--|------|-----|
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | स् | औ | अस् | - | ई | इ |
| द्वितीया | अम् | औ | अस् | - | ई | इ |
| तृतीया | आ | भ्याम् | भिस् | Like the पुंलिङ्ग and स्त्रीलिङ्ग | | |
| चतुर्थी | ए | भ्याम् | भ्यस् | | | |
| पञ्चमी | अस् | भ्याम् | भ्यस् | | | |
| षष्ठी | अस् | ओस् | आम् | | | |
| सप्तमी | इ | ओस् | सु | | | |
| सम्बोधन | स् | औ | अस् | - | ई | इ |

| | मरुत् (M) | | | वाच् (F) | | | जगत् (N) | | |
|----------|-----------|-------------|-----------|----------|------------|----------|----------|------------|----------|
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | मरुत् | मरुतौ | मरुतः | वाक् | वाचौ | वाचः | जगत् | जगतौ | जगन्ति |
| द्वितीया | मरुतम् | मरुतौ | मरुतः | वाचम् | वाचौ | वाचः | जगत् | जगतौ | जगन्ति |
| तृतीया | मरुता | मरुद्भ्याम् | मरुद्भिः | वाचा | वाग्भ्याम् | वाग्भिः | जगता | जगद्भ्याम् | जगद्भिः |
| चतुर्थी | मरुते | मरुद्भ्याम् | मरुद्भ्यः | वाचे | वाग्भ्याम् | वाग्भ्यः | जगते | जगद्भ्याम् | जगद्भ्यः |
| पञ्चमी | मरुतः | मरुद्भ्याम् | मरुद्भ्यः | वाचः | वाग्भ्याम् | वाग्भ्यः | जगतः | जगद्भ्याम् | जगद्भ्यः |
| षष्ठी | मरुतः | मरुतोः | मरुताम् | वाचः | वाचोः | वाचाम् | जगतः | जगतोः | जगताम् |
| सप्तमी | मरुति | मरुतोः | मरुत्सु | वाचि | वाचोः | वाक्षु | जगति | जगतोः | जगत्सु |
| सम्बोधन | मरुत् | मरुतौ | मरुतः | वाक् | वाचौ | वाचः | जगत् | जगतौ | जगतः |

4.3.2 Nouns with two stems

| Shaded areas are strong stem; धीमत् (strong); धीमन्त् (weak) | | | | | | | | | | | | |
|--|---------|--------|-------|---------------------|----|-----|----------|-------------|-----------|---------------------|-------|---------|
| | पुलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | | पुलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | |
| | एक | द्वि | बहु | द्वि | एक | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | स् | औ | अस् | - | ई | इ | धीमान् | धीमन्तौ | धीमन्तः | धीमत् | धीमती | धीमन्ति |
| द्वितीया | अम् | औ | अस् | - | ई | इ | धीमन्तम् | धीमन्तौ | धीमतः | धीमत् | धीमती | धीमन्ति |
| तृतीया | आ | भ्याम् | भिस् | Like the पुलिङ्ग | | | धीमता | धीमद्भ्याम् | धीमद्भिः | Like the पुलिङ्ग | | |
| चतुर्थी | ए | भ्याम् | भ्यस् | | | | धीमते | धीमद्भ्याम् | धीमद्भ्यः | | | |
| पञ्चमी | अस् | भ्याम् | भ्यस् | | | | धीमतः | धीमद्भ्याम् | धीमद्भ्यः | | | |
| षष्ठी | अस् | ओस् | आम् | | | | धीमतः | धीमतोः | धीमताम् | | | |
| सप्तमी | इ | ओस् | सु | | | | धीमति | धीमतोः | धीमत्सु | | | |
| सम्बोधन | स् | औ | अस् | - | ई | इ | धीमन् | धीमन्तौ | धीमन्तः | धीमत् | धीमती | धीमन्ति |

4.2.3 Nouns with three stems

| Shaded areas are strong stem; thick box is middle stem; राजन् (strong); राज (middle); राज् (weak) | | | | | | | | | | | | |
|---|---------|--------|-------|---------------------|----|-----|--------------|-----------|----------|---------------------|--------|--------|
| | पुलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | | पुलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | |
| | एक | द्वि | बहु | द्वि | एक | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | स् | औ | अस् | - | ई | इ | राजा | राजानौ | राजानः | राजा | राजानौ | राजानः |
| द्वितीया | अम् | औ | अस् | - | ई | इ | राजानाम् | राजानौ | राजानः | राजानाम् | राजानौ | राजानः |
| तृतीया | आ | भ्याम् | भिस् | Like the पुलिङ्ग | | | राज्ञा | राजभ्याम् | राजभिः | Like the पुलिङ्ग | | |
| चतुर्थी | ए | भ्याम् | भ्यस् | | | | राज्ञे | राजभ्याम् | राजभ्यः | | | |
| पञ्चमी | अस् | भ्याम् | भ्यस् | | | | राज्ञः | राजभ्याम् | राजभ्यः | | | |
| षष्ठी | अस् | ओस् | आम् | | | | राज्ञः | राज्ञोः | राज्ञाम् | | | |
| सप्तमी | इ | ओस् | सु | | | | राज्ञि-राजनि | राज्ञोः | राजसु | | | |
| सम्बोधन | स् | औ | अस् | - | ई | इ | राजन् | राजानौ | राजानः | राजन् | राजानौ | राजानः |

5. Pronouns

5.1 Personal Pronouns

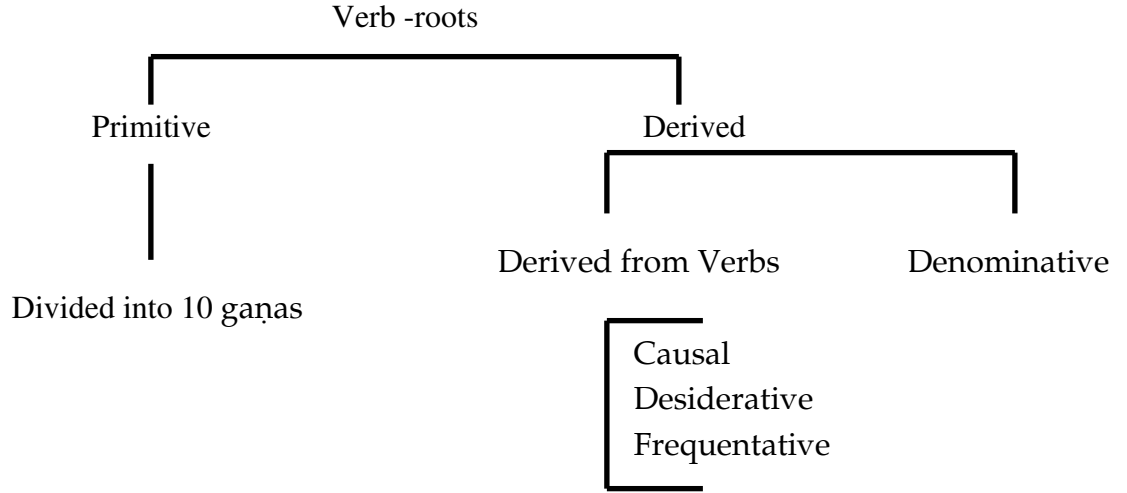
| | अस्मद् (अहम् - I) | | | युस्मद् (त्वम् - you) | | |
|----------|-------------------|----------------|----------------|-----------------------|-------------------|-----------------|
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | अहम् | आवाम् | वयम् | त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| द्वितीया | माम् - मा | आवाम् - नौ | अस्मान् - नः | त्वाम् - त्वा | युवाम् - वाम् | युष्मान् - वः |
| तृतीया | मया | आवाभ्याम् | अस्माभिः | त्वया | युवाभ्याम् | युष्माभिः |
| चतुर्थी | मह्यम् - मे | आवाभ्याम् - नौ | अस्मभ्यम् - नः | तुभ्यम् - ते | युवाभ्याम् - वाम् | युष्मभ्यम् - वः |
| पञ्चमी | मत् | आवाभ्याम् | अस्मत् | त्वत् | युवाभ्याम् | युष्मत् |
| षष्ठी | मम - मे | आवयोः - नौ | अस्माकम् - नः | तव - ते | युवयोः - वाम् | युष्माकम् - वः |
| सप्तमी | मयि | आवयोः | अस्मासु | त्वयि | युवयोः | युष्मासु |

| | सः (He) | | | सा (She) | | | तद् (That) | | |
|----------|----------|----------|--------|-------------|----------|--------|-------------|----------|--------|
| | पुंलिङ्ग | | | स्त्रीलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | |
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | सः | तौ | ते | सा | ते | ताः | तत् | ते | तानि |
| द्वितीया | तम् | तौ | तान् | ताम् | ते | ताः | तत् | ते | तानि |
| तृतीया | तेन | ताभ्याम् | तैः | तया | ताभ्याम् | ताभिः | तेन | ताभ्याम् | तैः |
| चतुर्थी | तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्यः | तस्यै | ताभ्याम् | ताभ्यः | तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| पञ्चमी | तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्यः | तस्याः | ताभ्याम् | ताभ्यः | तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| षष्ठी | तस्य | तयोः | तेषाम् | तस्याः | तयोः | तासाम् | तस्य | तयोः | तेषाम् |
| सप्तमी | तस्मिन् | तयोः | तेषु | तस्याम् | तयोः | तासु | तस्मिन् | तयोः | तेषु |

5.2 Interrogative & Relative Pronouns

| किम् (which?, what?) | | | | | | | | | |
|----------------------|----------|----------|--------|-------------|----------|--------|-------------|----------|--------|
| | पुंलिङ्ग | | | स्त्रीलिङ्ग | | | नपुंसकलिङ्ग | | |
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| प्रथमा | कः | कौ | के | का | के | काः | किम् | के | कानि |
| द्वितीया | कम् | कौ | कान् | काम् | के | काः | किम् | के | कानि |
| तृतीया | केन | काभ्याम् | कैः | कया | काभ्याम् | काभिः | केन | काभ्याम् | कैः |
| चतुर्थी | कस्मै | काभ्याम् | केभ्यः | कस्यै | काभ्याम् | काभ्यः | कस्मै | काभ्याम् | केभ्यः |
| पञ्चमी | कस्मात् | काभ्याम् | केभ्यः | कस्याः | काभ्याम् | काभ्यः | कस्मात् | काभ्याम् | केभ्यः |
| षष्ठी | कस्य | कयोः | केषाम् | कस्याः | कयोः | कासाम् | कस्य | कयोः | केषाम् |
| सप्तमी | कस्मिन् | कयोः | केषु | कस्याम् | कयोः | कासु | कस्मिन् | कयोः | केषु |
| यद् (which?, who?) | | | | | | | | | |
| प्रथमा | यः | यौ | ये | या | ये | याः | यत् | ये | यानि |
| द्वितीया | यम् | यौ | यान् | याम् | ये | याः | यत् | ये | यानि |
| तृतीया | येन | याभ्याम् | यैः | यया | याभ्याम् | याभिः | येन | याभ्याम् | यैः |
| चतुर्थी | यस्मै | याभ्याम् | येभ्यः | यस्यै | याभ्याम् | याभ्यः | यस्मै | याभ्याम् | येभ्यः |
| पञ्चमी | यस्मात् | याभ्याम् | येभ्यः | यस्याः | याभ्याम् | याभ्यः | यस्मात् | याभ्याम् | येभ्यः |
| षष्ठी | यस्य | ययोः | येषाम् | यस्याः | ययोः | यासाम् | यस्य | ययोः | येषाम् |
| सप्तमी | यस्मिन् | ययोः | येषु | यस्याम् | ययोः | यासु | यस्मिन् | ययोः | येषु |

6. Verbs



6.1 Tenses and Moods

| Name | Sanskrit | English | |
|-----------------------------------|---|----------------------|---|
| षट् कालवाचकाः (Six Tenses) | | | |
| लट् | वर्तमानकालः | Present | सार्वधातुकाः (Conjugational Tenses) |
| लङ् | अनद्यतन-भूतकालः | Imperfect | |
| लिट् | परोक्ष-भूतकालः 1. द्वित्वलिट् (Reduplicative) 2. अनुप्रयोगलिट् (Periphrastic) | Perfect; remote past | आर्धधातुकाः (Non-Conjugational Tenses) |
| लुङ् | सामान्य-भूतकालः | Aorist; simple past | |
| लुट् | अनद्यतन-भविष्यत्कालः | Periphrastic Future | |
| लृट् | सामान्य-भविष्यत्कालः | Simple Future | |
| चत्वारः प्रकारबोधकाः (Four moods) | | | |
| लोट् | आज्ञा | Imperative | सार्वधातुकाः (Conjugational Moods) |
| विधिलिङ् | विधि , आज्ञा | Potential | |
| आशीर्लिङ् | आशा | Benedictive | आर्धधातुकाः (Non-Conjugational Moods) |
| लृङ् | | Conditional | |

Past Tenses (लङ् - लिट् - लुङ्)

| लङ् | लिट् | लुङ् |
|---|--|--|
| Denotes past action, not done today, i.e. done at some time prior to the current day. | Denotes past action, not done today, Generally used to denote actions done at a very remote past time. -The reduplicative perfect is common to all monosyllabic roots beginning with a consonant or with अ, आ and इ, उ, ऋ. The periphrastic perfect is used with roots beginning with a long vowel except आ and with the roots of the 10 th conjugation. | Denotes past action, without reference to any particular time. |

Future Tenses (लुट् - लृट्)

1. The Periphrastic Future (लुट्) expresses remote future events.
2. The Simple Future (लृट्) expresses any future events whether immediate or remote.

6.2 Conjugations

The 10 conjugations in Sanskrit are divided into two groups. The first group consists of the 1st, 4th, 6th and the 10th conjugations and the second group consists of the 2nd, 3rd, 5th, 7th, 8th and 9th conjugations. The division of verbs into 10 conjugations do not apply to all the 10 tenses and moods. It applies only to the active voice, both parasmaipada and atmanepada of सार्वधातुकाः. In the passive voice, and in all other tenses of the active voice, all verbs are treated alike without distinction of conjugations. Thus the name 'conjugational tenses and moods'.

With respect to non-conjugational tenses and moods, verbal roots are divided into three classes:

| Roots | Description | Example |
|-----------------|------------------------------------|-------------------------------|
| सेट् (स+इट्) | insert a इ before the terminations | √भू → भविता; √अर्च् → अर्चिता |
| अनिट् (अन्+इट्) | do not insert a इ | √लब्ध → लब्धा |
| वेट् (वा+इट्) | insert a इ optionally | √स्यन्द् → स्यन्दिता; स्यन्ता |

| गण | नाम | गणविकरण | धातुनामः | लट् |
|---------------|------------|---------|----------|---------------------|
| १. प्रथमगणः | भ्वादि | अ | भू | भवति He is; becomes |
| २. द्वितीयगणः | अदादि | - | अद् | अत्ति He eats |
| ३. तृतीयगणः | जुहोत्यादि | - | हु | जुहोति He offers |
| ४. चतुर्थगणः | दिवादि | य | दिव् | दीव्यति He plays |
| ५. पञ्चमगणः | स्वादि | नु | सु | सुनोति He presses |
| ६. षष्ठगणः | तुदादि | अ | तुध् | तुदति He presses |
| ७. सप्तमगणः | रुधादि | न | रुध् | रुणाद्धि He blocks |
| ८. अष्टमगणः | तनादि | उ | तन् | तनोति He stretches |
| ९. नवगणः | क्रयादिगणः | न | क्री | क्रीणति He buys |
| १०. दशमगणः | चुरादिगणः | अय | चुर | चोरयति He steals |

6.3 Voice

1. Active Voice (कर्तरि प्रयोग): The कर्ता of any क्रियापदम् is in the प्रथमा विभक्ति. The क्रियापदम् of any sentence or clause always agrees in number and person with the कर्ता
2. Passive Voice (कर्माणि प्रयोग): The क्रियापदम् refers to or agrees with कर्म, instead of the कर्ता. The verbal ending specifies the number and person of the कर्म
3. Passive Impersonal (भावे प्रयोग): In संस्कृतम्, not only transitive verbs (सकर्मकधातु), but intransitive verbs (अकर्मकधातु), also can be conjugated in the passive voice.

| धातु | प्रयोग | उदाहरण |
|------------|----------------|---|
| सकर्मकधातु | कर्तरि प्रयोग | बालकः ग्रन्थं पठति । The boy reads the book. |
| | कर्माणि प्रयोग | बालकेन ग्रन्थः पठ्यते । The book is read by the boy |
| अकर्मकधातु | कर्तरि प्रयोग | बालकः हसति । The boy laughs. |
| | भावे प्रयोग | बालकेन हस्यते । Laughing is done by the boy. |

6.4 Suffixes for Conjugational Tenses and Moods

| | लट् (Present tense) | | | | | | लङ् (Past tense) | | | | | |
|-------|------------------------|------|-------|----------|-------|---------|---------------------------|------|------|----------|---------|--------|
| | परस्मैपद | | | आत्मनेपद | | | परस्मैपद | | | आत्मनेपद | | |
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| उत्तम | मि | वः | मः | ए | वहे | महे | अम् | व | म | इ | वहि | महि |
| मध्यम | सि | थः | थ | से | ईथे | ध्वे | स् | तम् | त | थाः | ईथाम् | ध्वम् |
| प्रथम | ति | तः | अन्ति | ते | ईते | अन्ते | त् | ताम् | अन् | त | इताम् | अन्त |
| | लोट् (Imperative mood) | | | | | | विधिलिङ् (Potential mood) | | | | | |
| उत्तम | आनि | आव | आम् | ऐ | आवहै | आमहै | ईयम् | ईव | ईम | ईय | ईवहि | ईमहि |
| मध्यम | | तम् | त | स्व | ईथाम् | ध्वम् | ईस् | ईतम् | ईत | ईथास् | ईयाथाम् | ईध्वम् |
| प्रथम | तु | ताम् | अन्तु | ताम् | ईताम् | अन्ताम् | ईत् | ईताम | ईयुः | ईत | ईयाताम् | ईरन् |

6.5 Suffixes for Non Conjugational Tenses and Moods

| | लृट् (Periphrastic Future) | | | | | | लृट् (Simple Future) | | | | | |
|-------|-------------------------------------|---------|--------|----------|----------|----------|--|----------|---------|----------|------------|---------|
| | परस्मैपद | | | आत्मनेपद | | | परस्मैपद | | | आत्मनेपद | | |
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| उत्तम | तास्मि | तास्वः | तास्मः | ताहे | तास्वहे | तास्महे | स्यामि | स्यावः | स्यामः | स्ये | स्यावहे | स्यामहे |
| मध्यम | तासि | तास्थः | तास्थ | तासे | तासाथ | ताध्व | स्यसि | स्यथः | स्यथ | स्यसे | स्येथे | स्यध्वे |
| प्रथम | ता | तारौ | तारः | ता | तारौ | तारः | स्यति | स्यतः | स्यन्ति | स्यते | स्येते | स्यन्ते |
| | लृङ् (Conditional) | | | | | | आशीर्लिङ् (Benedictive Mood) | | | | | |
| उत्तम | स्यम् | स्याव | स्याम | स्ये | स्यावहि | स्यामहि | यासम् | यास्व | यास्म | सीय | सीवहि | सीमहि |
| मध्यम | स्यः | स्यतम् | स्यत | स्यथाः | स्येथाम् | स्यध्वम् | याः | यास्तम् | यास्त | सीष्ठाः | सीयास्थाम् | सीध्वम् |
| प्रथम | स्यत् | स्यताम् | स्यन् | स्यत | स्येताम् | स्यन्त | यात् | यास्ताम् | यासुः | सीष्ट | सीयास्ताम् | सीरन् |
| | द्वित्वलिङ् (Reduplicative Perfect) | | | | | | अनुप्रयोगलिङ् (Periphrastic Perfect) | | | | | |
| उत्तम | अ | व | म | ए | वहे | महे | To form the Periphrastic Perfect, a verbal noun in the accusative is derived from the verbal base by addition of आम्. To that verbal noun the reduplicative of √कृ, √भू, or √अस् is added. | | | | | |
| मध्यम | थ | अथुः | अ | से | आथे | ध्वे | | | | | | |
| प्रथम | अ | अतुः | उः | ए | आते | इरे | | | | | | |

6.6 Suffixes for Strong and Weak form endings

As in the case of nouns with two or three stems, so also in the case of verbs of the 2nd, 3rd, 5th, 7th, 8th and 9th conjugations, there are strong and weak forms. Strong forms are shaded and the differences are indicated in bold. The terminations in non-conjugational forms are all weak except for द्वित्वलिट् (Reduplicative Perfect) परस्मैपद in first, second, and third person singular.

| | लट् (Present tense) | | | | | | लङ् (Past tense) | | | | | |
|-------|------------------------|------|-------|----------|--------------|-------|---------------------------|------|-------|----------|--------------|--------|
| | परस्मैपद | | | आत्मनेपद | | | परस्मैपद | | | आत्मनेपद | | |
| | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु |
| उत्तम | मि | वः | मः | ए | वहे | महे | अम् | व | म | इ | वहि | महि |
| मध्यम | सि | थः | थ | से | आथे | ध्वे | स् | तम् | त | थाः | आथाम् | ध्वम् |
| प्रथम | ति | तः | अन्ति | ते | ईति | अते | त् | ताम् | अन् | त | इताम् | अत |
| | लोट् (Imperative mood) | | | | | | विधिलिङ् (Potential mood) | | | | | |
| उत्तम | आनि | आव | आम् | ऐ | आवहै | आमहै | ईयम् | ईव | ईम | ईय | ईवहि | ईमहि |
| मध्यम | हि | तम् | त | स्व | आथाम् | ध्वम् | ईस् | ईतम् | ईत | ईथास् | ईयाथाम् | ईध्वम् |
| प्रथम | तु | ताम् | अन्तु | ताम् | ईताम् | अताम् | ईत् | ईताम | ईयुस् | ईत | ईयाताम् | ईरन् |

| √भू (भ्वादिगणः) परस्मैपद | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------|-------|-------|--------|-------|---------|-------|-------|--------|----------|--------|---------|--------|
| लट् | | | लङ् | | | लोट् | | | विधिलिङ् | | | |
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | भवामि | भवावः | भवामः | अभवम् | अभवाव | अभवाम | भवानि | भवाव | भवाम | भवेयम् | भवेव | भवेम |
| मध्यम | भवसि | भवथः | भवथ | अभवः | अभवतम् | अभवत | भव | भवतम् | भवत | भवेः | भवेतम् | भवेत |
| प्रथम | भवति | भवतः | भवन्ति | अभवत् | अभवताम् | अभवन् | भवतु | भवताम् | भवन्तु | भवेत् | भवेताम् | भवेयुः |

| लृट् | | | लृट् | | | लृङ् | | | |
|-------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|------------|-------------|-------------|-----------|
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | भवितास्मि | भवितास्वः | भवितास्मः | भविष्यामि | भविष्यावः | भविष्यामः | अभविष्यम् | अभविष्याव | अभविष्याम |
| मध्यम | भवितासि | भवितास्थः | भवितास्थ | भविष्यासि | भविष्यथः | भविष्यथ | अभविष्यस्यः | अभविष्यताम् | अभविष्यत |
| प्रथम | भविता | भवितारौ | भवितारः | भविष्यति | भविष्यतः | भविष्यन्ति | अभविष्यत् | अभविष्यताम् | अभविष्यन् |

| आशीर्लिङ् | | | द्वित्वलिट् | | | अनुप्रयोगलिट् | | | |
|-----------|---------|------------|-------------|--------|---------|---------------|-----|--|--|
| उत्तम | भूयासम् | भूयास्व | भूयास्म | बभूव | बभूविव | बभूविम | (?) | | |
| मध्यम | भूयाः | भूयास्तम् | भूयास्त | बभूविथ | बभूवथुः | बभूव | | | |
| प्रथम | भूयात् | भूयास्ताम् | भूयासुः | बभूव | बभूवतुः | बभूवुः | | | |

| √लभ् (भ्वादिगणः) आत्मनेपद | | | | | | | | | | | | |
|---------------------------|------|--------|--------|---------|----------|----------|--------|---------|----------|--------|-----------|----------|
| लट् | | | लङ् | | | लोट् | | | विधिलिङ् | | | |
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | लभे | लभावहे | लभामहे | अलभे | अलभावहि | अलभामहि | लभै | लभावहै | लभामहै | लभेय | लभेवहि | लभेमहि |
| मध्यम | लभसे | लभेथे | लभध्वे | अलभथास् | अलभेथाम् | अलभध्वम् | लभस्व | लभेथाम् | लभध्वम् | लभेथाः | लभेयाथाम् | लभेध्वम् |
| प्रथम | लभते | लभेते | लभन्ते | अलभत | अलभेताम् | अलभन्त | लभताम् | लभेताम् | लभन्ताम् | लभेत | लभेयाताम् | लभेरन् |

| लृट् | | | लृट् | | | लृङ् | | | |
|-------|---------|------------|------------|----------|------------|------------|-------------|--------------|--------------|
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | लब्धाहे | लब्धास्वहे | लब्धास्महे | लप्स्ये | लप्स्यावहे | लप्स्यामहे | अलप्स्ये | अलप्स्यावहि | अलप्स्यामहि |
| मध्यम | लब्धासे | लब्धासाथ | लब्धाध्व | लप्स्यसे | लप्स्येथे | लप्स्यध्वे | अलप्स्यथाः | अलप्स्येथाम् | अलप्स्यध्वम् |
| प्रथम | लब्धा | लब्धारौ | लब्धारः | लप्स्यते | लप्स्येते | लप्स्यन्ते | अलप्स्यताम् | अलप्स्येताम् | अलप्स्यन्त |

| आशीर्लिङ् | | | द्वित्वलिट् | | | अनुप्रयोगलिट् | | | |
|-----------|------------|---------------|-------------|--------|---------|---------------|--|--|--|
| उत्तम | लप्सीय | लप्सीवहि | लप्सीमहि | लेभे | लेभिवहे | लेभिमहे | | | |
| मध्यम | लप्सीष्ठाः | लप्सीयाथाम् | लप्सीध्वम् | लेभेषे | लेभाथे | लेभिध्वे | | | |
| प्रथम | लप्सीष्ट | लप्सीयास्ताम् | लप्सीरन् | लेभे | लेभाते | लेभिरे | | | |

| √सु (स्वादिगणः) परस्मैपद Strong base (shaded) सुनो weak base सुनु | | | | | | | | | | | | |
|---|--------|------------------|------------------|---------|------------------|------------------|--------------------|----------|-----------|----------|------------|----------|
| लट् | | | लङ् | | | लोट् | | | विधिलिङ् | | | |
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | सुनोमि | सुनुवः सुन्वः | सुनुमः सुन्मः | असुनवम् | असुनुव असुन्व | असुनुम असुन्म | सुनवानि | सुनवाव | सुवाम् | सुनुयाम् | सुनुयाव | सुनुयाम् |
| मध्यम | सुनाषि | सुनुथः | सुनोषि | असुनोः | असुनुतम् | असुनुत | सुनु सुनुतात् | सुनुतम् | सुनुत | सुनुयाः | सुनुयातम् | सुनुयात |
| प्रथम | सुनोति | सुनुतः | सन्वन्ति | असुनोत् | असुनुताम् | असुन्वन् | सुनोतु सुनुतात् | सुनुताम् | सुन्वन्तु | सुनुयात् | सुनुयाताम् | सुनुयुः |

| लृट् | | | लृट् | | | लृङ् | | | |
|-------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|------------|------|-----|--|
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | सोतास्मि | सोतास्वः | सोतास्मः | सोष्यमि | सोष्यावः | सोष्यामः | | | |
| | सवितास्मि | सवितास्वः | सवितास्मः | सविष्यामि | सविष्यावः | सविष्यामः | | | |
| मध्यम | सोतासि | सोतास्थः | सोतास्थ | सोष्यसि | सोष्यथः | सोष्यथ | | | |
| | सवितासि | सवितास्थः | सवितास्थ | सविष्यसि | सविष्यथः | सविष्यथ | | | |
| प्रथम | सोता | सोतारौ | सोतारः | सोष्यति | सोष्यतः | सोष्यन्ति | | | |
| | सविता | सवितारौ | सवितारः | सविष्यति | सविष्यतः | सविष्यन्ति | | | |

| आशीर्लिङ् | | | द्वित्वलिङ् | | | अनुप्रयोगलिङ् | | |
|-----------|--|--|-------------|----------|---------|---------------|--|--|
| उत्तम | | | सुषाव | सुषुव | सुषुम | | | |
| | | | सुषव | | | | | |
| मध्यम | | | सुषोथ | सुषुवथुः | सुषुव | | | |
| | | | सुषविथ | | | | | |
| प्रथम | | | सुषाव | सुषुवतुः | सुषुवुः | | | |

| √सु (स्वादिगणः) आत्मनेपद Strong base (shaded) सुनो weak base सुनु | | | | | | | | | | | | |
|---|--------|--------------------|--------------------|----------|----------------------|----------------------|----------|------------|-----------|-----------|--------------|-------------|
| लट् | | | लङ् | | | लोट् | | | विधिलिङ् | | | |
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | सुनुवे | सुनुवहे सुनुवहे | सुनुमहे सुनुमहे | असुनुवि | असुनुवहि असुनुवहि | असुनुमहि असुनुमहि | सुनवै | सुनवावहै | सुनवामहै | सुन्वीय् | सुन्वीवहि | सुन्वीमहि |
| मध्यम | सुनुषे | सुनुवाथे | सुनुध्वे | असुनुथाः | असुनुवाथाम् | असुनुध्वम् | सुनुष्व | सुनुवाथाम् | सुनुध्वम् | सुन्वीथाः | सुन्वीयाथाम् | सुन्वीध्वम् |
| प्रथम | सुनुते | सुनुवाते | सुनुवते | असुनुत् | असुनुवाताम् | असुनुवत | सुनुताम् | सुनुवाताम् | सुनुवताम् | सुन्वीत | सुन्वीयाताम् | सुन्वीरन् |

| लृट् | | | लृट् | | | लृङ् | | | |
|-------|------|-----|------|----------|------------|------------|------|-----|--|
| एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | एक | द्वि | बहु | |
| उत्तम | | | | सोष्ये | सोष्यावहे | सोष्यामहे | | | |
| | | | | सविष्ये | सविष्यावहे | सविष्यामहे | | | |
| मध्यम | | | | सोष्यसे | सोष्येथे | सोष्यध्वे | | | |
| | | | | सविष्यसे | सविष्येथे | सविष्यध्वे | | | |
| प्रथम | | | | सोष्यते | सोष्येते | सोष्यन्ते | | | |
| | | | | सविष्यते | सविष्येते | सविष्यन्ते | | | |

| आशीर्लिङ् | | | द्वित्वलिङ् | | | अनुप्रयोगलिङ् | | |
|-----------|--|--|-------------|--------|----------|---------------|--|--|
| उत्तम | | | | सुषुवे | सुषुवहे | सुषुमहे | | |
| मध्यम | | | | सुषुषे | सुषुवाथे | सुषुध्वे | | |
| प्रथम | | | | सुषुवे | सुषुवाते | सुषुविरे | | |

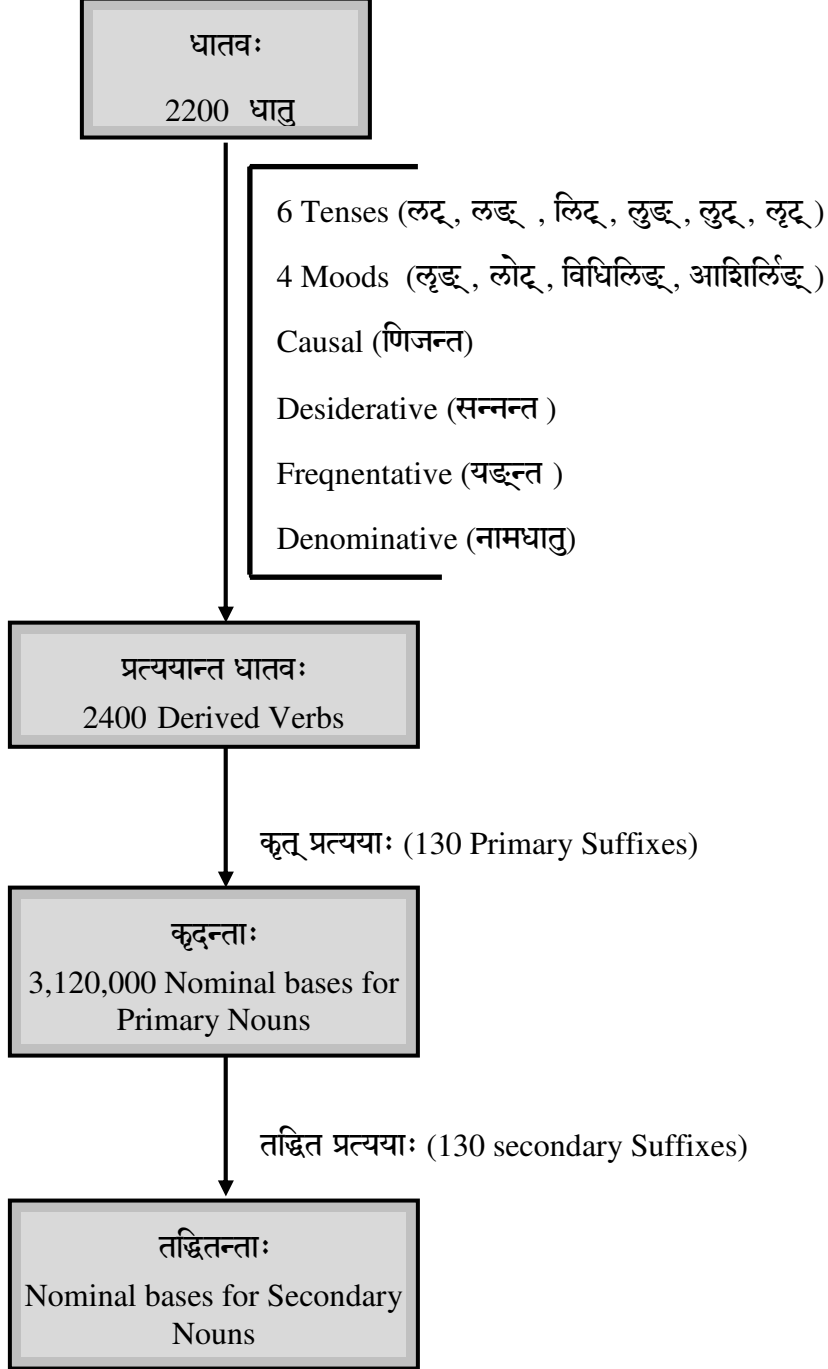
6.7 Examples

| Tense | Used as | Examples |
|-------|--------------------------------------|---|
| लट् | | बालः पतति । The boy falls |
| लङ् | | विश्वामित्रः वसिष्ठस्य धेनुं बलात् अहरत् । Vishwamitra took Vashista's cow by force. नृपः ब्राह्मणान् भोजनाय न्यमन्त्रयत् (नि+अमन्त्रयत्) । The king invited the Brahmin for food. |
| लोट् | -विधिः command or advice | त्यज दुर्जनसंसर्गं भज साधुसमागमम् । Give up association with the wrong people and to seek the company of saintly people. |
| | -अधीष्ट (wish) or प्रार्थना (prayer) | पितृगृहे तिष्ठानि । I may (I wish to) stay in my father's house. व्याकरणम् अध्ययत । This is my prayer, I want to study grammar with you. |
| | -आशीर्वाद (blessing) | गच्छ विजयी भव । Go and be victorious. |

| | | |
|-----------|---|--|
| | -आमन्त्रणम् (permission), अनुमति (consent) and also निमन्त्रणम् (invitation) | अद्य भवान् अत्र आगच्छतु । You may come here today. अद्य भवान् अत्र भक्षयतु । I request (invite) you to take food here today. |
| | -संप्रश्न (question), संभावना (possibility, doubt) | किं भो वेदान्तम् अध्ययै उत संस्कृतम् । Sir what shall I learn? Vedānta or Saṁskṛtam? विषं भवतु । There may be poison. |
| | -मा (prohibition) | मा गच्छ नगरम् । Do not go to the city. |
| | सामर्थ्यम् (ability) | सिन्धुं अपि शोषयामि । I can dry up even the sea. |
| विधिलिङ् | -विधि: command or advice | नरः सदा सत्यं वदेत् । Man should always speak the truth. |
| -विधिलिङ् | -अधीष्ट (wish) or प्रार्थना (prayer) | मातरं बालाः पश्येषु । May the children see their mother. भो भोजनं लभेय । Sir, will you kindly give me food. |
| | -आमन्त्रणम् (permission), अनुमति (consent) and also निमन्त्रणम् (invitation) | इय आसीत् भवान् । Your honour may sit here. गिरिं अधिवसेः । You may dwell on the mountain.. |
| | -संप्रश्न (question), संभावना (possibility, doubt) | किं भो वेदं अधीयेय उत तर्कम् । Sir what shall I learn? Veda or logic? पारितोषिकं न लभेध्वम् । You may not get the reward. |
| | -is used in conditional clauses, to express what is contrary to the fact or what is probable, not certain. | यदि माता नागच्छेत् तर्हि शिशुः विलपेत् । If the mother should not come, the child would cry. यदि रामः वनात् झटिति न नागच्छेत् तर्हि अहं यमलोकं गच्छेयम् । If Rama quickly should not return from the forest, (then) I would go to Yamaloka. |
| लुङ् | | |
| लिट् | द्वित्वलिट् | श्री भगवानुवाच । Śrī Bhagavāna said. तदनन्तरमन्यद्वनं जगाम रघुपतिः । तत्र च महातपस्तेपे सं । Then Rāma went to another wood. There he performed great austerities. |
| | अनुप्रयोगलिट् | |
| लुट् | | हे सीते रामलक्ष्मणौ श्वो वनः गन्तारौ । त्वमपि गन्तासि वा न वा । Oh Sitā, Rāma and Lakṣmaṇa will go to the forest tomorrow. Will you too go or not? |
| लृट् | | किं भविष्यति किं भविष्यतीति चिन्तयतः सर्वे शिष्याः परीक्षाशालामुद्विजन्त आगमिष्यन्ति । Thinking “What will be? what will be?” all the students will come, trembling, to the examination hall. |
| आशीर्लिङ् | -अधीष्ट (wish) and आशीर्वाद (blessing) | श्रीमान् भुयात् । May he be happy. चिरं जीव्यात् । May he live long. |
| लृङ् | | यदि पिता अगमिष्यत् सर्वे अतोक्ष्यन् । Were my father to come, all would be pleased. |

7. Verbal Derivatives

The affixes are added to roots, or their modified forms, to form nouns, adjectives, and indeclinables.



In representing the various suffixes, Sanskrit grammarians use the following device. Before or after the suffix proper, they add one or two letters which are meant to indicate the changes which the original root or word must undergo before it takes the suffix. Those extra letters are called अनुबन्ध or indicative sign.

7.1 कृत् प्रत्ययाः

कृत् प्रत्यया are used to form:

1. Participles (declinables and Indeclinables)
2. Verbal nouns.

7.1.1 General Rules

| Rules | उदाहरण |
|--|--|
| Before primary suffixes the final vowel/short medial vowel of a root take गुण | |
| If अनुबन्ध is क् or ङ, गुण is blocked. | √कृ + क्त → कृत (suffix is त्त and अनुबन्ध is क्) |
| If अनुबन्ध is ज् or ण्, final vowel/short medial अ of a root takes वृद्धि, while final आ becomes आय् | √भू + उक्ञ् → भौ + उक् → भाव् + उक् → भावुक (suffix is उक् and अनुबन्ध is ज्) √धा + णक् → धायक (suffix is क् and अनुबन्ध is ण्) |
| If अनुबन्ध is घ् the final च → क् and ज → ग् | √शुच् + घञ् → शोक (अनुबन्ध is घ्) √युज् + घञ् → योग (अनुबन्ध is घ्) अनु-कृ + ल्यप् → अनुकृत्य (suffix is य् and अनुबन्ध is प्) |
| If अनुबन्ध is प्, त् is added to a root ending in short vowel | अनु-कृ + ल्यप् → अनुकृत्य (suffix is य् and अनुबन्ध is प्) |

7.1.2 Participles

7.1.2.1 Declinable Participles

| 1. वर्तमान कृदन्त Participles of the perfect tense | | | |
|--|--------------------|---|---|
| Participle | प्रत्यय | Rules | उदाहरण |
| Present active (शत्) | अत् परस्मैपद | अन्ति (प्र० पु० बहु० व०) of the present active is replaced by अत् | √विश् → विशन्ति → विशत् (entering) रामः वनं विशन् मुनिं अपश्यत्। Rama, while entering the forest saw a sage |
| | मान आत्मनेपद | ते (प्र० पु० एक० व०) of present is replaced by मान | √लभ् → लभते → लभमान (obtaining) √मन् → मन्यते → मन्यमान (thinking) |
| Present passive (शानच्) | मान | ते (प्र० पु० एक० व०) of present passive is replaced by मान | √गम् → गम्यते → गम्यमान (being gone to) √दा → दीयते → दीयमान (being given) √चुर् → चोर्यते → चोर्यमाण (being stolen) |
| 2. भूते कृदन्त Participles of the perfect tense | | | |
| Past passive (क्त) | त | adding त् to the verbal roots | √कृ + त् → कृत eg. रामेण कार्यं कृतम् (The work was done by Rama) |
| Past active (क्तवत्) | वत् | adding वत् to the past passive participle | √कृ → कृत + वत् → कृतवत् सः कार्यं कृतवान् (He did the work) |
| 3. भविष्यत् कृदन्त Participles of the Future Tense | | | |
| | स्यत् परस्मैपद | स्यन्ति (प्र० पु० बहु० व०) is replaced by स्यत् | √ज्ञा → ज्ञास्यन्ति → ज्ञास्यत् √पत् → पतिष्यन्ति → पतिष्यत् |
| | स्यमान आत्मनेपद | स्यन्ते (प्र० पु० बहु० व०) is replaced by स्यमान | √ज्ञा → ज्ञास्यन्ते → ज्ञास्यमान √पत् → पतिष्यन्ते → पतिष्यमाण |
| 4. Potential Passive Participles | | | |
| | तव्य | final vowel (except आ) and short medial vowel take गुण | √श्रु → श्रोतव्य (which should be heard) √गम् → गन्तव्य (which should be gone to) √दृश् → द्रष्टव्य (which should be seen) √ग्रह् → ग्रहीतव्य (which should be seized) |

| | | | |
|--|-------|--|--|
| | अनीय | final vowel and short medial vowel take गुण | <p>√स्मृ → स्मरणीय (to be remembered)</p> <p>√पूज् → पूजनीय (to be of worship)</p> <p>√दृश् → दर्शनीय (to be seen; worth seen)</p> |
| | ण्यत् | for roots ending in ऋ or a consonant. The अनुबन्ध ण् orders the वृद्धि of final vowel and of penultimate आ, त् is also अनुबन्ध | <p>√कृ → कार्य (to be done)</p> <p>√पठ् → पाठ्य (to be read)</p> <p>√वच् → वाच्य (to be said)</p> <p>√हस् → हास्य (to be laughed at)</p> <p>√छिद् → छेद्य (to be cut)</p> <p>√सिच् → सेच्य (to be sprinkled)</p> |
| | यत् | for roots ending with a vowel or labial & to शक् and सद्. Before यत् a final vowel takes गुण, and the final आ is changed to ए | <p>√जि → जय (conquerable)</p> <p>√पा → पेय (drinkable)</p> <p>√श्रु → श्रव्य (audible)</p> <p>√शक् → शक्य (possible)</p> <p>√लभ् → लभ्य (obtainable)</p> <p>√सद् → सह्य (to be bearable)</p> |
| | क्यप् | reserved for few roots. The अनुबन्ध क् debar all गुण; the अनुबन्ध प् ordains addition of त् to roots ending with a short vowel. | <p>√इ → इत्य (to be gone to)</p> <p>√शास् → शिष्य (to be taught)</p> <p>√स्तु → स्तुत्य (to be praised)</p> <p>√दृ → दृत्य (to be respected)</p> <p>√भृ → भृत्य (to be supported; servant)</p> <p>√कृ → कृत्य (to be done)</p> |
| | Uses | <p>-Impersonal/Neuter Sing.</p> <p>-As an adj, or pronoun</p> <p>-Conveys the meaning of obligation, of fitness or of the future</p> | <p>मया गन्तव्यम् (It has to be gone by me; I have to go)</p> <p>राजा मन्त्रिभिः स्तुत्यः (The king to be praised by the ministers.)</p> <p>एतद् दर्शनीय (This is worth seeing)</p> <p>त्वया द्रष्टव्यम् (you will see)</p> |

7.1.2.2 Indeclinable Participles

| Participle | प्रत्यय | Rules | उदाहरण |
|---|-----------|---|--|
| Past Active (Gerund) कत्वा ल्यप् | त्वा य | -formed by adding त्वा to the roots. -If the verbs are preceded by an उपसर्ग, the suffix य is added | अयोध्यां त्यक्त्वा रामः वनम् अगच्छत् । Having abandoned Ayodhya, Rama went to the forest आगम्य नत्वा च अवदत् Having come, having saluted, he spoke. |
| The infinite तुमुन् | तुम् | -formed by adding तुम् to the roots. | रामः ग्रन्थं पठितुम् इच्छति । (active) Rama wishes to read the book. रामेणः ग्रन्थः पठितुम् इष्यते । (passive) It is wished by Rama to read the book. |

7.1.3 Verbal Nouns

The कृत् affixes forming verbal nouns are of two types :

- (1) कर्तारि कृत् (Agent noun) eg. गन्ता
- (2) भावे कृत् (Action/Abstract Noun) eg. गतिः , गमनम्

7.1.3.1 List of कर्तारि कृत् affixes covered

| कृत् | अङ्गः | Rules | उदाहरण |
|------|-------|--|--|
| अण् | अ | -Appended to nouns -3-fold कर्म is governed by अण् | कुम्भं करोति इति कुम्भकारः (कुम्भ +√कृ) उत्पाद्यम् – created as in कुम्भकारः वकार्यम् – changes as in काण्डलावः (काण्डं लुनति – cuts branches of tree) प्राप्यम् – Reaches (no change in object) (as in वेदाध्यायः वेदान् अधीते) (संस्कार्यम् is not governed by अण्) |

| | | | |
|-------|---|---|--|
| क | अ | -Roots ending with आ and without a prefix (final आ of the root is dropped) -Roots with इ, उ, ऋ or लृ as penultimate | जलं ददाति (जल/दा + क) → जलदः (cloud) ज्ञा → ज्ञः / प्रज्ञः (one who knows) मधु पिबति (मधु/पा + क) → मधुपः (bee) √बुध् + क → बुधः (one who knows) |
| अच् | अ | -Agent to √पच्, etc -Lying in Location | पचति इति पचः (one who cooks) √चूर् → चोरः ; √भू → भवः गिरौ शेते इति गिरिशः पार्श्वभ्यां शेते इति पार्श्वशयः (one who lies on the sides) |
| ड | अ | -Affixed to √गम् preceded by अन्त, पार, सर्व etc. -Before this the final consonant with the preceding vowel, or the final vowel of a root is dropped | अन्तं गच्छति → अन्तगः (one who goes to the end) दुःखेन गच्छति → दुर्गः (fortress) पन्नं गच्छति → पन्नगः (on the ground creeping; snake); सर्वं गच्छति → सर्वगः (one who goes everywhere) पारं गच्छति → पारगः (?); |
| क्विप | - | -the अनुबन्ध व् disappears after performing a function (like “er” after cook in English) -Applies to √स्पृश and √दृश् after nouns | √सद् to sit कठोपनिषद्, अन्तरिक्षसत् (heavenly beings); सुचिसत् (dwelling in purity), नृषत् (humans beings); उपनिषद् /त् √सू → प्रसूः (to bring forth → one who brings forth; a mother) √द्विष् → प्रद्विष् (to hate → a powerful enemy) √द्वुह् → प्रद्वुह् (to hate → a powerful enemy) √द्वुह् → कामधुक्, प्रधुक् (to milk/extract → milker) √विद् → वेदवित (to know → knower of वेद) √भिद् → काष्ठमित् (to cut → woodcutter) |

| | | | |
|--------|-----|---|---|
| | | | <p>√छिद् → प्रच्छिद् (to cut → a good cutter)</p> <p>√जि → इन्द्रजित् (to conquer → conqueror of Indra), शत्रुजित् (conqueror of enemy)</p> <p>√नी → सेनानी (to lead → one who leads an army); अग्रणी (one who leads in the front; leader)</p> <p>√राज् → विराद् (to shine → विशेषेण राजते इति विराद् (विराज् → विराष् → विराद्))</p> <p>√कृ → टीकाकृत्; भाषाकृत् (to do →</p> |
| क्विन् | - | <p>-like क्विप् the अनुबन्ध व् disappears after performing a function.</p> <p>-Applies to √स्पृश् and √दृश् after nouns</p> | <p>उदकस्पृशः → (one who touches water)</p> <p>तादृश् (तादृक्) → of that type</p> <p>सदृश् (सदृक्) → like this</p> <p>कीदृश् (कीदृक्) → of what nature</p> <p>त्वादृश् (त्वादृक्) → like you</p> |
| णिनि | इन् | <p>-Is added to the roots of the ग्रह group in the sense of 'the agent'</p> | <p>गृह्णाति इति ग्राहिन् (one who takes)</p> <p>√स्था → स्थायिन् (one who stays)</p> <p>√राध् with अप → अपराधिन् (one who is guilty)</p> <p>परि/भू → परिभाविन् (one who defeats)</p> <p>उष्णं भोक्तुं शीलमस्य → उष्णभोजिन् (one who eats hot things)</p> <p>साधुकारिन् (one who acts well)</p> <p>ब्रह्मवादिन् (one who expounds the nature of ब्रह्म);</p> <p>सोमयाजिन् (one who has performed the सोम sacrifice)</p> <p>अवश्यंभाविन् (one that certainly happens)</p> |
| ण्वुल् | अक् | <p>-अनुबन्ध ण् maintains वृद्धि; अक् imparts agency</p> | <p>√नी → नायक (to lead → one who leads)</p> <p>√कृ → कारक (to do → the doer)</p> <p>√ध्यै → ध्यायक (to think → thinker)</p> |

| | | | |
|--------------------|------|--|--|
| | | | <p>√दा → दायक (to give → giver)</p> <p>√सृज् → सर्जक (to create → creator)</p> <p>√बुध् → बोधक (to know → knower)</p> |
| तृच् | नेत् | -ण् maintains वृद्धि; तृ imparts agency | <p>√नी → नेत् (नेता) (to lead → one who leads)</p> <p>√कृ → कृत् (कर्ता) (to do → the doer)</p> <p>√ध्यै → ध्यात् (ध्याता) (to think → thinker)</p> <p>√दा → दात् (दाता) (to give → giver)</p> <p>√सृज् → स्रष्टृ (वृद्धि is blocked) (to create → creator)</p> <p>√बुध् → बादधृ (बोद्धा) (to know → knower)</p> |
| टाप् & डीप् | आ | - Creates Feminine Nouns -For सन्नन्त stems | <p>√यज् → सेवा (service); √भाष् → भाषा (language);</p> <p>√क्रीड् → क्रीडा (sport); √चिन्त् → चिन्ता (worry)</p> <p>√मन् → मिमांसा (enquiry, analysis)</p> <p>√मुच् → मुमुक्षा (the desire to be free)</p> |
| टाप् with ण्पुल | | | <p>नायिका not नायका</p> <p>कारिका not कारका (a concise statement)</p> <p>पाचिका (a female cook)</p> |
| डीप् with तृच् | | | <p>नेत् → नेत्री कर्त् → कर्त्री; दात् → दात्री</p> |
| ष्ट्रन् | त्र | -indicates instrument, or means of action; generally नपुंसकलिङ्ग | <p>√पा → पात्रम् (to drink → drinking vessel)</p> <p>√नी → नेत्रम् (to lead → eye-means of leading)</p> <p>√श्रु → श्रोत्रम् (to hear → ear-means of hearing)</p> <p>√वस् → वस्त्रम् (to clothe → clothing)</p> <p>√पत् → पत्रम् (to fall, to fly → leaves; wings- means of flying)</p> <p>√शास् → शास्त्रम् (to rule, to instruct → one that rules - due to truth or instructs)</p> |

7.1.3.2 List of भावे कृत् affixes covered

भावः itself formed by घञ् from the root √भू

| कृत् | अङ्गः | Rules | उदाहरण |
|------|-------|---|--|
| घञ् | अ | -ञ् makes any final vowel or short medial अ to take वृद्धि -घ् mandates च → क् and ज → ग् respectively | √युज् → योगः (to join → joining) √ शुच् → शोकः (to grieve → grief) √ क्रुघ् → क्रोधः (to be angry → anger) √ कम् → कामः (to desire → desire) √ स्पर्श् → स्पर्शः (to touch → touch) √ त्यज् → त्यागः (to abandon → renunciation) √ लुभ → लोभः (to be greedy → greed) √ विद् → वेदः (to know → complete knowledge) √ वृ → वरः (to choose → boon; choice) स्वयंवरः वि+√शिष् → विशेषः (to distinguish → distinction) |
| अच् | अ | -for इ ending nouns | √जि → जयः (to conquer → victory) √चि → चयः (to collect → collection) √क्षि → क्षयः (to waste away → decay) √इ → अयः (to go → going) उद् + √इ → उदयः (to go up; to rise → rising up) |
| अप् | अ | -Added to roots ending in उ, ऊ, ऋ, ॠ -forms abstract nouns; also instrument or place denoted by the root. <u>Note:</u> 1. Many roots preceded by prefix, take घञ् instead of अप्. Sometimes, some prefixes mandate अप् or घञ् with different meaning. 2. Sometime, roots with or without prefixes can take either अप् or घञ् | √स्त → स्तवः (to praise → praise) √कृ → करः (to do → hand; inst. for doing) √गृ → गरः (to poison → poison) √भू → भवः (to be → being, state) √जप् → जपः (to say in soft voice → prayer) उप + √जप् → उपजापः (whisper in (someone's) ear; secretly telling) √मद् → with प्र or सम् → प्रमदः; संमदः (to intoxicate with → joy) |

| | | | |
|--------|-----|--|--|
| | | with the same meaning | but→ प्रमादः ; संमादः (carelessness, blunder) √यम् → with or w/o उप, नि, वि and सम् take either यमः or यामः (to restraint; to control→ restraint, control) नियमः or नियामः; उपयमः or उपयामः |
| क्तिन् | ति | -Forms feminine abstract nouns -अनुबन्ध क् blocks गुण | √स्तु → स्तुतिः (to praise → praise) √ मन् → स्तुतिः (to praise → praise) √गम् → गतिः (to go → gait) √आप् → आप्तिः (to acquire → acquisition) √मुच् → मुक्तिः (to release → gait) √श्रु → श्रुतिः (to hear → what is heard) √दृश् → दृष्टिः (to see → vision) √स्तप् → सुप्तिः (to sleep → sleep) √सृज् → सृष्टिः (to create → creation) √वच् → उक्तिः (to say → what is said) √कृ → कृतिः (to do → a piece of work) √यज् → इष्टिः (to worship → act of worship) √स्था → स्थितिः (to stand/say → position) |
| | | -न् is substituted for त् after some roots -Especially after ऋ-ending roots | √ग्लै → ग्लानि (to fall → fall) √हा → हानि (to give up → loss) √कृ → कीर्णि (to scatter → scattering) |
| | | -For वि or सम् with पद् either क्तिन् or क्विप is added | वि/पद् → विपत्ति or विपद (to reach → adversity) वि/पद् → संपत्ति or संपत् (to reach → prosperity) |
| क्त | तम् | -Forms neuter nouns -adds तम् | √हस् → हसितम् (to laugh → laughter) √जल्प → जल्पितम् (to quarrel → quarrel) √सह् → सहितम् (to bear → tolerance) |

| | | | |
|--------|-----|----------------------------------|--|
| ल्युट् | नम् | -Forms neuter nouns -adds अन् | √गम् → गमनम् (to go → going) √हन् → हननम् (to kill → killing) √वच् → वचनम् (to speak → speech) √दा → दानम् (to give → gift) √शी → शयनम् (to lie → lying down; sleeping) √स्था → स्थानम् (to stand → place) √आस् → आसनम् (to sit → seat; posture) √दृश् → दर्शनम् (to see → act of seeing) √साध् → साधनम् (to make it → act of making good) √भुज् → भोजनम् (to eat → eating) |
|--------|-----|----------------------------------|--|

7.2 तद्धित प्रत्ययाः

The underlying nominal forms in तद्धित प्रत्ययाः are called प्रकृति । Just as गुण of a root vowel is a frequent characteristic of कृत् derivation, a characteristic mark of तद्धित derivation is वृद्धि.

7.2.1 General Rules

| Rules | Examples |
|---|--|
| The first vowel of the word takes it वृद्धि before the terminations अ, य, इक्, ईन्, एय, त्य | |
| Before termination beginning with a vowel or य् -the final अ, आ, इ, ई are rejected -उ and ऊ take their गुण substitute -ओ and औ obey the ordinary rules of sandhi | आश्वपति + अ = आश्वपत (belonging to Asvapati) मनु + अ = मानवः (descendant of Manu) गो + य = गव्यम् (belonging to a cow) |
| -If the initial vowel of a word be preceded by the य् and व् of a preposition the य् or व् is first changed to इय् or उव् before substitute can take place. | व्याकरणम् (वि - आ - करणम्) + अ = वियाकरणम् + अ = वैयाकरणः (grammarian) स्वश्व (सु - अश्व) + अ = सौवश्व (son of Svasva) |

| | |
|--|--|
| -When the semi vowel preceding an initial vowel is not the result of सन्धि, regular rule apply | स्वयंभूः (स्वयं- भू) → स्वयंभवः (Brahma→son of) |
|--|--|

7.2.2 List of तद्धित affixes covered

| अङ्गः | Rules | उदाहरण |
|-----------|---|--|
| अ & ई (F) | <p>-They require वृद्धि of the first syllable of the प्रकृति. They are added to the nominal stems as follows:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. replace final अ or आ 2. replace final ई 3. are added to गुण of उ 4. are added to ऋ which is not strengthened 5. are added directly to consonant stem finals. <p>-Additional Examples</p> | <p>पुत्रः → पौत्रः (son → grandson)</p> <p>यमुना → यामुनः (River → son of river)</p> <p>पर्वतः → पार्वती (mountain → daughter of)</p> <p>सरस्वति → सारस्वतः (Sarasvati → son of)</p> <p>रघुः → राघवः (Raghu → descendent of)</p> <p>त्वष्टृः → त्वाष्ट्रः (Tvastr → son of)</p> <p>मनः → मानस (mind → mental)</p> <p>हिमवन्त् → हैमवत् (himalaya → pertaining to)</p> <p>ब्रह्मन् → ब्राह्मणः (Brahman → knower of)</p> <p>-अपत्यावाचक (genealogical decent)</p> <p>जनकः → जानकी (Janaka → daughter of)</p> <p>-भाववाचक (abstraction)</p> <p>गुरुः → गौरवम् (heavy → weight)</p> <p>लघुः → लाघवः (light → lightness)</p> <p>शिशुः → शैशवम् (child → childhood)</p> <p>युवन् → यौवनम् (young → youth)</p> <p>-तस्येदम् (possession)</p> <p>शिवः → शैव (belonging to Siva)</p> |

| | | |
|----|--|---|
| | | <p>विष्णुः → वैष्णव (belonging to Vishnu)</p> <p>बुद्धः → बौद्ध (belonging to Buddha)</p> <p>- तद्वेद (knowledge)</p> <p>व्याकरणम् → वैयाकरणः (grammer → grammarian)</p> |
| य | -The suffix replaces any stem-final vowel and is added to any-stem-final consonant | <p>-अपत्यावाचक</p> <p>अदितिः → आदित्य (Aditi → Sun)</p> <p>कविः → काव्यः (sage Kavi → son of)</p> <p>-भाववाचक</p> <p>शूरः → शौर्यम् (hero → heroism)</p> <p>उचित → औचित्यम् (proper → propriety)</p> <p>पण्डितः → पाण्डित्यम् (wise man → state of being)</p> <p>उत्सुक → औत्सुक्यम् (eager → eagerness)</p> <p>अलस → आलस्यम् (lazy → laziness)</p> <p>उदासीन → औदासीन्यम् (indifferent → indifference)</p> <p>मूर्खः → मौर्ख्यम् (fool → foolishness)</p> <p>मुखम् → मुख्य (face → forefront) (No वृद्धि)</p> <p>वीरः → वीर्यम् (heroism)</p> <p>दन्तः → दन्त्य (tooth → dental) (तत्र भाव)</p> <p>तालु → तालव्य (palate → palatal) (तत्र भाव)</p> |
| इय | -occurs where the suffix य would otherwise have to follow a conjunct consonant | <p>क्षेत्रम् → क्षेत्रिय (field → pertaining to a field)</p> <p>क्षेत्रम् → क्षेत्रियः (kingly power → princely class)</p> |
| ईय | -is basically restricted to forming possessive adjectives from the pronouns | <p>अहम् → मदीय (I → my);</p> <p>वयम् → अस्मदीय (we → our)</p> <p>यूयम् → युष्मदीय (you → your)</p> <p>भवन्त् → भवदीय (you → your)</p> <p>सः सा तत् → तदीय (he she it → his hers its)</p> |

| | | |
|-----------|--|--|
| एय | -replaces final vowel and requires वृद्धि | <p>-अपत्यावाचक</p> <p>कुन्ती → कौन्तेयः (Kunti → son of)</p> <p>गङ्गा → गाङ्गेयः (Ganga → son of)</p> <p>विनता → वैनतेयः (Gaduda → son of)</p> <p>-non- अपत्यावाचक</p> <p>ऋषि → आर्षेय (sage → pertaining to)</p> <p>पुरुषः → पौरुषेय (man → human as apposed to divine)</p> <p>अतिथिः → आतिथेय (guest → pleasant to guests)</p> |
| इ | -requires वृद्धि and replaces final vowel | <p>-अपत्यावाचक</p> <p>दशरथः → दाशरथि (Dashratha → son of)</p> <p>सुमित्रा → सौमित्रिः (Sumitra → son of)</p> |
| त्वा & ता | -They correspond to the English suffixes -ness and -hood. Nouns formed with त्वा are neuter and those with ता are feminine | <p>कपिः → कपित्वम् (monkey → monkeyness)</p> <p>मधुर → मधुरता (sweet → sweetness)</p> |
| क | -It requires no strength in the प्रकृति | <p>अन्तः → अन्तः (end → ender, i.e. death)</p> <p>रूपम् → रूपकम् (form → giving form)</p> <p>पुत्रः → पुत्रकः (son → little boy)</p> <p>माणवः → माणवकः (man → youth)</p> <p>इषुः → इषुकः (arrow → arrow)</p> <p>नग्न → नग्नक (naked → naked)</p> |
| इक | -requires वृद्धि and replaces final vowel and is added to the final consonant | <p>-तस्येदम्</p> <p>लोकः → लौकिक (world → worldly)</p> <p>स्वाभावः → स्वाभाविक (inherent nature → pertaining to)</p> <p>-तद्वेद</p> <p>वेदः → वैदिक (veda → vedic) or वैदिकः (vedic scholar)</p> |

| | | <p>धर्मः → धार्मिक (dharma → righteous)</p> <p>न्यायः → नैयायिकः (logic → logician)</p> <p>पुराणम् → पौराणिकः (puranas → versed in puranas)</p> <p>मनः → मानसिक (mind → mental)</p> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------------------------|--|---|---------|-------------------|-------------------|------------|----------------|-----------------|-------------|----------------|-----------------|--|----|------|--------------|---------------|--------------|------------|---------------|----------------|-------------|---------------|-----------------|
| अक | -requires वृद्धि and replaces final vowel and is added to the final consonant | मिमांसा → मिमांसकः (a philosophical school → a follower of); अहम् → मामक (I → mine) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मय | -is added directly to the nominal stem without any vowel strength, form adjectives conveying the sense of “made of” or “consisting of”. Sandhi before this suffix is external. | <p>वाक् → वाङ्मय (speech → consisting of speech)</p> <p>चित् → चिन्मय (consciousness → consisting of)</p> <p>काष्ठम् → काष्ठमय (wood → made of wood)</p> <p>चित् → चिन्मय (mind, consciousness → consisting of)</p> <p>वाक् → वाङ्मयम् (speech → consisting of)</p> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मन्त् वन्त् इन् विन् | -They indicate the possessor of the प्रकृति and are said to be स्वामित्ववाचक (expressive of ownership) | <p>-स्वामित्ववाचक</p> <p>पशुः → पशुमन्त् (cattle → rich in cattle)</p> <p>पक्षः → पक्षिन् ((wing → bird)</p> <p>तपः → तपस्विन् (ascetic → asceticism)</p> <p>स्मृति → स्मृतिमन्त् (memory → having a good memory)</p> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| तर तम ईय इष्ट | -They form comparative and superlative grades of adjectives and are called उत्कर्षवाचक (expressive of superiority) | <table border="1"> <thead> <tr> <th>प्रकृति</th> <th>comparative तर</th> <th>superlative तम</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>प्रिय dear</td> <td>प्रियतर dearer</td> <td>प्रियतम dearest</td> </tr> <tr> <td>महन्त great</td> <td>महत्तर greater</td> <td>महत्तम greatest</td> </tr> <tr> <td></td> <td>ईय</td> <td>इष्ट</td> </tr> <tr> <td>प्रशस्य good</td> <td>श्रेयः better</td> <td>श्रेष्ठ best</td> </tr> <tr> <td>गुरु heavy</td> <td>गरीयः heavier</td> <td>गरिष्ठ heavier</td> </tr> <tr> <td>युवन् young</td> <td>कनीयः younger</td> <td>कनिष्ठ youngest</td> </tr> </tbody> </table> | प्रकृति | comparative तर | superlative तम | प्रिय dear | प्रियतर dearer | प्रियतम dearest | महन्त great | महत्तर greater | महत्तम greatest | | ईय | इष्ट | प्रशस्य good | श्रेयः better | श्रेष्ठ best | गुरु heavy | गरीयः heavier | गरिष्ठ heavier | युवन् young | कनीयः younger | कनिष्ठ youngest |
| प्रकृति | comparative तर | superlative तम | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्रिय dear | प्रियतर dearer | प्रियतम dearest | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| महन्त great | महत्तर greater | महत्तम greatest | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | ईय | इष्ट | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्रशस्य good | श्रेयः better | श्रेष्ठ best | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुरु heavy | गरीयः heavier | गरिष्ठ heavier | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| युवन् young | कनीयः younger | कनिष्ठ youngest | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| वत् | -They convey the sense of “like” | कपिः → कपिवत् (monkey → like a monkey) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| च्चि | -is attached to the nominal stem in connection with | अशुक्लं शुक्लं करोति = शुक्लीकरोति | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | <p>verbs √कृ, √भू, √अस् to convey the idea that the subject or the object of the verb becomes what is denoted by the nominal stem. Before this suffix</p> <p>-final अ & आ changed to इ</p> <p>-final इ & उ are lengthened</p> <p>-final ऋ becomes री</p> | <p>अलघुः लघुः भवति = लघूभवति</p> <p>अशुचिं शुचिं करोति = शुचीकरोति</p> <p>अनेता नेता भवति = नेत्रीभवति</p> <p>नृपो बालकं सैनिकीकरोति</p> <p>The king makes the boy into a soldier</p> <table border="1" data-bbox="824 598 1469 997"> <thead> <tr> <th>प्रकृति</th> <th>Derivative</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>कृष्ण black</td> <td>कृष्णीभू to become black</td> </tr> <tr> <td></td> <td>कृष्णीकृ to make black, to blacken</td> </tr> <tr> <td></td> <td>कृष्णीभविष्यति It will become black</td> </tr> <tr> <td></td> <td>कृष्णीकरणम् blackened</td> </tr> <tr> <td></td> <td>कृष्णीकृत्य having blackened</td> </tr> </tbody> </table> | प्रकृति | Derivative | कृष्ण black | कृष्णीभू to become black | | कृष्णीकृ to make black, to blacken | | कृष्णीभविष्यति It will become black | | कृष्णीकरणम् blackened | | कृष्णीकृत्य having blackened |
|-------------|--|--|---------|------------|-------------|--------------------------|--|------------------------------------|--|-------------------------------------|--|-----------------------|--|------------------------------|
| प्रकृति | Derivative | | | | | | | | | | | | | |
| कृष्ण black | कृष्णीभू to become black | | | | | | | | | | | | | |
| | कृष्णीकृ to make black, to blacken | | | | | | | | | | | | | |
| | कृष्णीभविष्यति It will become black | | | | | | | | | | | | | |
| | कृष्णीकरणम् blackened | | | | | | | | | | | | | |
| | कृष्णीकृत्य having blackened | | | | | | | | | | | | | |

8. Derivative Conjugations

The following four secondary conjugations, like the कर्मणि प्रयोग, indicate something about the action of a verbal root other than its tense. The first three are derived from verbal roots, and fourth is derived from nominal stems.

8.1 Causative

The Causative (णिजन्त; ending in णिच्) indicates that the subject causes another to perform the action signified by the verbal root. It is formed like the verbs of the 10th conjugation. The causative marker ङ्/अच् is suffixed directly to the root which is usually strengthened.

| धातु | णिजन्त form | उदाहरण |
|------------------|-------------|--|
| √गम् (to go) | गमय | दशरथः रामं वनं गमयति Dasharata makes Rama go to the forest |
| √स्था (to stand) | स्थापय् | सेवकः फलं स्वामिनः हस्ते स्थापयति The servant places the fruit in his master's hand |
| √हन् (to kill) | घातय् | सुग्रीवः रामेण वालिनं घातयति Sugriva had Rama kill Valin |
| √कृ (to do) | कारय् | रामं भरतेन राज्यं कारायामास Rama had Bharata rule the kingdom |

| √श्रु (to hear) प्रथम पुरुष एकवचन; श्रावाय् (cause to hear) | | | |
|---|---------------|--------------|--------------|
| | परस्मैपद | आत्मनेपद | Passive |
| Present | श्रावयति | अश्रावयते | श्राव्यते |
| Imperfect | अश्रावयत् | अश्रावयत | अश्राव्यत |
| Imperative | श्रावयेतु | श्रावयताम् | श्राव्यताम् |
| Potential | श्रावयेत् | श्रावयेत | श्राव्येत |
| Perfect | श्रावयामास | श्रावयामासे | श्रावयामासे |
| Periph. future | श्रावयिता | श्रावयिता | श्रावयिता |
| Simple future | श्रावयिष्यति | श्रावयिष्यते | श्रावयिष्यते |
| Conditional | अश्रावयिष्यत् | अश्रावयिष्यत | अश्रावयिष्यत |
| Benedictive | श्राव्यात् | श्रावयिषीष्ट | श्रावयिषीष्ट |

8.2 Desiderative

The Desiderative (सन्नत्; ending in सन्) expresses the notion that a person or thing wishes (or is about) to perform the action, or to be in the condition, denoted by the root of the desiderative base. The subject of the wish and of action conveyed by the verbal root must be the same. It may be paraphrased by the infinitive of the simple root with an appropriate form of √इष, etc.

eg. रामः वनं जिगमिषति = रामः वनं गन्तुमिच्छति (Rama wishes to go to the forest).

भवतां सेवां चिकीर्षामि = भवतां सेवां कर्तुमिच्छामि (I want to serve you).

पिपठिषति - He wishes to study; मुमूर्षति - He is about to die.

| Adjectives in उ and Feminine nouns in आ from th Desiderative base | | | |
|---|-------------|--------------------------------|------------------------------|
| धातु | सन्नत् form | Adjective | Noun |
| √कृ (to do) | चिकीर्ष | चिकीर्षु (wishing to do) | चिकीर्षा (the desire to do) |
| √भुञ् (to eat) | बुभुक्ष | बुभुक्षु (hungry) | बुभुक्षा (hunger) |
| √ज्ञा (to know) | जिज्ञास् | जिज्ञासु (inquisitive) | जिज्ञासा (desire to know) |
| √जि (to conquer) | जिगीष् | जिगीषु (contending with) | जिगीषा (rivalry) |
| √पा (to drink) | पिपास् | पिपासु (thirsty) | पिपासा (thirst) |
| √लभ् (to obtain) | लिप्स् | लिप्सु (desirous of getting) | लिप्सा (desire to get) |
| √मुच् (to release) | मुमुक्ष | मुमुक्षु (desirous of release) | मुमुक्षा (desire of release) |
| √मृ (to die) | मुमूर्क्ष | मुमूर्षु (about to die) | मुमूर्षा (desire of death) |

| √बुध् (to know) प्र० पु० एक० व०; बुबोध (desire to know) लट् | | | |
|--|---------------|---------------|---------------|
| Tense | परस्मैपद | आत्मनेपद | Passive |
| Present | बुबोधिषति | बुबोधिषते | बुबोधिष्यते |
| Imperfect | अबुबोधिषत् | अबुबोधिषत | अबुबोधिष्यत |
| Imperative | बुबोधिषतु | बुबोधिषताम् | बुबोधिष्यताम् |
| Potential | बुबोधिषेत् | बुबोधिषेत | बुबोधिष्येत |
| Perfect | बुबोधिषामास | बुबोधिषामास | बुबोधिषामासे |
| Periph. future | बुबोधिषिता | बुबोधिषिता | बुबोधिषिता |
| Simple future | बुबोधिषिष्यति | बुबोधिषिष्यते | बुबोधिषिष्यते |
| Conditional | बुबोधिष्यत् | बुबोधिष्यत | बुबोधिष्यत |
| Benedictive | बुबोधिष्यात् | बुबोधिषिषीष्ट | बुबोधिषिषीष्ट |

8.3 Frequentative

The Frequentative (Intensive) (यङन्त; ending in यङ्) conveys the idea of repetition or of intensity.

eg. चेक्रियते (he does repeatedly); देदीयते (he gives generously)

| तप् प्र० पु० एक०व० | | | |
|--------------------|------------|-------------|------------|
| Present | तातप्यते | perfect | तातप्स्यते |
| Imperfect | अतातप्यत | future | तातपाञ्चके |
| Imperative | तातप्यताम् | benedictive | तातप्सीष्ट |
| Potential | तातप्येत | | |

8.4 Denominative

The Denominative (नामधातु) is a technique of deriving verbal forms from nouns by addition of specific suffixes.

| suffix | meaning | Examples |
|---------|--|--|
| क्यच् | -usually conveys the idea of a personal desire of the subject; -conjugated in परस्मैपद -also conveys the idea of treating like | पुत्रीयति = पुत्रं इच्छति (He wishes for a son) नेत्रीयति = नेतारं इच्छति शिष्यान् पुत्रीयति (He treats his pupil like sons) |
| काम्यच् | -conveys the idea of a personal desire of the subject; conjugated in परस्मैपद | धनकाम्यति = धनं इच्छति |
| क्विप् | -conveys the idea of acting like -conjugated in परस्मैपद | कृष्णति = कृष्ण इव आचरति |
| क्यङ् | -usually conveys the idea of acting like -conjugated in आत्मनेपद | तरुणायते = तरुण इव आचरति प्रासादशिखरेऽपि सन्न काको गरुडायते Even though perched on the pinnacle of a palace, a crow does not become an eagle (i.e. No matter how high a fool may rise, he remains a fool.) |

9. समासाः

| समासः | Description |
|---------------------------------|--|
| द्वन्द्व - उभयपदार्थप्रधानः | Both members have equal importance. |
| कर्मधारय | Both members in the same class. |
| तत्पुरुषः - उत्तरपदार्थप्रधानः | The second member is more important than the first. |
| बहुव्रीहि - अन्यपदार्थप्रधानः | Another word is more important than the members of the compound itself |
| अव्ययीभावः - पूर्वपदार्थप्रधानः | First member is more important than the मध्यम. |
| उपपदः गतिः प्रादि | Additional types |

9.1 द्वन्द्व

| समासः | समस्तपदम् | विग्रह |
|---|------------------------|--|
| इतरेतर द्वन्द्वः In which various members are considered separately. The last member's gender is retained | सुखदुःखे देवपुरुषाः | सुखं च दुःखं च gods & men |
| समाहार द्वन्द्वः Various members are taken collectively. Singular ending neuter | पाणिपादम् | पाणयश्च पादाश्च |
| द्वन्द्व-s may be included in extended समास-s | वीर्यबुद्धिसंपन्न | वीर्यबुद्धिभ्यां संपन्न endowed with valor and intelligence. |
| एकशेष द्वन्द्वः in closely connected (obvious cases), only one remains. | पितरौ | मातापितरौ |

9.2 कर्मधारय

| समासः | समस्तपदम् | विग्रहः |
|--|----------------------------|--------------------------------|
| Adjective qualifies a noun | प्रियमित्रम् सुन्दरमृगः | प्रियं मित्रम् सुन्दरः मृगः |
| Comparison (prior is subordinated to latter) | राजर्षि | राजा ऋषिः (king-sage) |

| | | |
|--|---------------------------------------|--------------------------------------|
| | नरसिंहः | नरसिंहः (man-lion) |
| Note: समानाधिकरणः (case agreement) | दशरथमहाराजो महाहस्तिनं महावने हन्ति । | |
| Two adjectives | दृष्टादृष्टम् | |
| With indeclinables क्व (कुत्सित; meaning bad) and अ (negative) | कुपुत्रः अकृतम् | कुत्सितः पुत्रः न कृतम् |
| द्विगु समासः Is a special form of कर्मधारय, wherein the first member is a numeral. | त्रिभुवनम् पञ्चवटी | त्रयणां भुवनानां पञ्चानां लोकानां |

9.3 तत्पुरुषः

| समासः | समस्तपदम् | विग्रहः |
|---|---|--|
| द्वितीया तत्पुरुषः attached to श्रित, पतित, अतीत, गत, अत्यस्त, प्राप्त, आपन्न, etc. Duration | कृष्णश्रितः शोकपतितः संवत्सरवासः | कृष्णं श्रितः (one who has refuge in Krshna) संवत्सरं वासः (residence for a year) |
| तृतीया तत्पुरुषः Instr. Causal. Comparison | नृपहतः निद्राबाधितः मातृसदृशः | नृपेण हतः (slain by the king) निद्रया बाधितः (oppressed by sleep) मात्रा सदृशः (like his mother) |
| चतुर्थी तत्पुरुषः अलुक समासः members do not loose case- endings | पादोदकम् परस्मैपदम् आत्मनेपदम् | पादाभ्याम् उदकम् (water for the feet) |
| पञ्चमी तत्पुरुषः | मरणाद्भयम् | मरणात् भयम् (Fear from death) |
| षष्ठी तत्पुरुषः | सीतापुस्तकम् नरोत्तमः आत्मज्ञानम् | सीतायाः पुस्तकम् (Sita's book) नराणाम् उत्तमः (Best of mens) आत्मनः ज्ञानम् (Knowledge of Self) |
| सप्तमी तत्पुरुषः | वनवासः जलक्रीडा | वने वासः (Dwelling in the forest) जले क्रीडा (sport in the water) |

9.4 बहुव्रीहि

The बहुव्रीहि word itself means "a person who has plenty of rice". In other words, a wealthy man. बहुव्रीहि समासः built on top of तत्पुरुषः (incl कर्मधारय) but तत्पुरुषः समासः may be noun or adjective, but बहुव्रीहि समासः is always an adjective. Therefore the gender changes to match the noun.

| समासः | समस्तपदम् | विग्रहः |
|---|---|---|
| कर्मधारय हृदयम् is neuter gender; As a बहुव्रीहि | दयालुहृदयः दयालुहृदयः नरः दयालुहृदया नारी दयालुहृदयं मित्रम् | दयालुम् हृदयम् दयालुम् हृदयम् (अस्ति /भवति) यस्य सः (नरः) दयालुम् हृदयम् (अस्ति /भवति) यस्य सा (नारी) दयालुम् हृदयम् (अस्ति /भवति) यस्य सः (मित्रम्) Whose heart is very loving that person (नरः/नारी/मित्रम्) often omitted |
| कर्मधारय बहुव्रीहि | पीताम्बरम् पीताम्बरः पीताम्बराय नमः | पीतम् अम्बरम् पीतम् अम्बरम् यस्य सः पीताम्बरः (विष्णुः) पीताम्बरं यस्य तस्मै नमः (salutations to विष्णुः) |
| द्वितीया बहुव्रीहि | प्राप्तजलो ग्रामः | यं जलं प्राम् स ग्रामः A village in which the water has reached. |
| तृतीया बहुव्रीहि | भुक्तहारो बालः | येन आहारः भुक्तः स बालः The boy by whom food was eaten. |
| चतुर्थी बहुव्रीहि | उपहृताजः देवः | यस्मै अजः उपहृतः स देवः The god to whom a goat was offered |
| पञ्चमी बहुव्रीहि | अद्धृतशिशुः तडागः | यस्मात् शिशुः अद्धृतः स तडागः The lake from which the child was rescued. |
| षष्ठी बहुव्रीहि | शान्तमनाः मुनिः | यस्य मनः शान्तं स मुनिः The sage whose mind is at rest |
| सप्तमी बहुव्रीहि | बहुवीरः देशः | यस्मिन् बहवः वीराः सन्ति स देशः The country in which there are many heroes |
| Comparison | चन्द्रशोभः व्यघ्राभः | चन्द्रस्य इव शोभा यस्य सः One whose splendour is like the moon's |

| | | |
|---------------------------|-------------------------|--|
| | | व्यग्रस्य इव आभा यस्य सः One who has the appearance of a tiger |
| second member in locative | असिपाणिः चन्द्रशेखरः | असिः पाणौ यस्य सः One having a sword in his hand चन्द्रः शेखरे यस्य सः One having the moon on his crest |

9.5 अव्ययीभावः

The Adverbial Compound is formed by an indeclinable (अव्यय) joined to a noun. Some rules are as follows:

1. Final long vowels are shortened and final अ becomes अम्
2. Some words (शरद्, मनस्, चेतस्, etc) add अ at the end
3. After प्रति, पर, सम, and अनु, अक्ष becomes अक्षं (परोक्षम्, समक्षम्, प्रत्यक्षम्)
4. Masc. nouns in अन् take अम्; Neuter nouns in अन् do so optionally.
5. नदी optionally becomes नदम् and गिरि optionally becomes गिरम्

| अव्यय | समस्तपदम् | विग्रहः |
|---|-------------------------------|---|
| अधि (sense of location) | अधिहरि अधिभूतम् | हरौ इति (in Hari) With respect to भुतानि (विषय सप्तमी) |
| अनु (nearness/suitability) | अनुनदि or अनुनदम् अनुरूपम् | near the river in a suitable manner |
| अप्, परि, बहिः denoting direction with nouns in ablative | बहिर्वनम् परिनगरम् | वनात् बहिः outside the forest परि नगरात् near the city |
| अभि, प्रति denoting direction; प्रति has also a distributive sense. | अभिगृहम् प्रतिदिनम् | दिनं दिनम् |
| अति something which is past | अतिनिद्रम् | beyond sleep |
| स similarity and totality | सदृशम् | similarly |

| | | |
|--------------|------------------------|--|
| | सतृणम् | down to the grass |
| यथा & यावत् | यथाशक्ति यावज्जीवम् | according to one's power for one's whole life |
| आ limit | आजीवनम् | up to the end of life |
| उप proximity | उपतीरम् | near the shore |

9.6 उपपद

These Reduced –Word Compound, mostly (but not always) द्वितीया तत्पुरुषः are reduced signifying the agent of action.

| समस्तपदम् | विग्रहः |
|----------------------------------|--------------------------------------|
| वेदवित् | वेदान्त वेत्ति Knower of Vedas |
| दुष्कृतिहा | दुष्कृति हन्ति Destroyer of पाप कर्म |
| स्वस्तिदः Other than द्वितीया | स्वस्ति ददाति One who bestows मंगलम् |
| खगः | खे गच्छति (Bird) |
| पादपः | पादेन पिबति (Tree) |

9.7 गति

Formed by गति (with च्ची प्रत्यय) & verb form; eg. साक्षात्कृत्य, शुक्लीकृत्य, नमस्कृत्य

9.8 प्रादि

Combines a preposition with a noun. It stands for a participle + noun.

eg. अभिमुखः = अभिगतः मुखम् facing; अतिमायः = अतिक्रान्तः मायाम्

10. Verses from Gita

Chapter 2, Verse 47

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्तवकर्मणि ॥२-४७ ॥

कर्मणि + एव + अधिकारः + ते + मा + फलेषु + कदाचन + मा + कर्म-फलहेतुः + भूः + मा ते सङ्गः + अस्तु + अकर्मणि

कर्मणि – (नपुं०) √कृ + मनिन् (? प्रत्यय) = कर्मन् + सप्त० ए० व० = in action

एव – (अव्यय) = only

अधिकारः – (पुं०) अधि√कृ + घञ् = अधिकार + प्र० ए० व० = choice

ते – (सर्व०) युष्मद् + षष्ठी० ए० व० = your

मा – (अव्यय) √मा + क्विप् (? प्रत्यय)

फलेषु – (नपुं०) फल + सप्त० ब० व० = in the results

कदाचन – (अव्यय) किम् + दा = कदा + चन = ever

कर्म-फल-हेतुः – (वि० पुं०) कर्म फलस्य एव जन्मनः हेतुः (प्र० ए० व०) = the cause of the results

[हेतु = (पुं०)√हि (स्वादि० पर० सक० = to send) + तुन् (? प्रत्यय) = the cause]

मा भूः – √भू + सन् + लोट् + म० पु० ए० व० = भूस् = भूः = do not be

सङ्गः – (पुं०) √सञ्ज् (भ्वादि० पर० सक० = to attach) + घञ् = सङ्ग + प्र० ए० व० = attachment

अस्तु – √अस् (अदादि० पर० सक० = to be) + लोट् + प्र० पु० ए० व० = सङ्ग + प्र० ए० व० = let it be

अकर्मणि – (नपुं०) न कर्मणि (नञ् (? प्रत्यय)) सप्त० ए० व० = in inaction

Your choice is in action only, never in the results thereof. Do not be the author of the results of action.
Let your attachment not be to inaction.

Chapter 3 Verse 3

श्री भगवानुवाच ॥

लोकेऽस्मिन् द्विविधा निष्ठा पुरा प्रोक्ता मयानघ ।

ज्ञानयोगेन साङ्ख्यानं कर्मयोगेन योगिनाम् ॥३-३॥

श्री भगवान् उवाच

लोके + अस्मिन् + द्वि-विधा + निष्ठा + पुरा + प्रोक्ता + मया + अनघ + ज्ञान-योगेन + साङ्ख्यानम् + कर्म-योगेन + योगिनाम्

लोके – (पुं०) √लोक् (भ्वादि० आत्म० सक० = to see) + घञ् = लोक + सप्त० ए० व० = in the world

अस्मिन् – (सर्व० वि०) इदम् + (पुं०) सप्त० ए० व० = in this

द्वि-विधा – (वि०) स्त्री प्र० ए० व० = two-fold

[√विध् (तुदादि० पर० सक० = to fold) + क + आ = विधा]

निष्ठा – (स्त्री) नि√स्था(भ्वादि० पर० अक० = to stand) + अङ् – टाप् + प्र० ए० व० = comitted life-tyles

पुरा – (अव्यय) √पुर् (तुदादि० पर० अक० = to be in front) + का = पुरा = in the beginning

प्रोक्ता – (वि०) प्र√वच् (अदादि० पर० अक० = to speak) + क्त(ppp) = प्र + उक्त = प्रोक्त + (स्त्री०) प्र० ए० व० = was told

मया – (सर्व०) अस्मद् तृती०ए० व० = by me

अनघ – (वि०) न अस्ति अघं (पापं) दुःखं व्यसेन कालुष्यं वा यस्य (नञ् बहुव्री०) सम्बोधन ए० व० = O! sinless one

(Arjuna) [न√अघ् (चुरादि० पर० अक० = to sin) + अच् = न + अघं यस्मिन् = अनघ]

ज्ञान-योगेन – (पुं०) ज्ञानम् एव योगः + तृती० ए० व० = in the form of of the pursuit of knowledge

साङ्ख्यानम् – (पुं०)[सम्√ख्या(अदादि० पर० अक० = to tell + अङ् – टाप् = बुद्धि] = संख्या + अण् = सांख्य + षष्ठी० व० व० = for the rununciates

कर्म-योगेन – (पुं०) तृती० ए० व० = in the form of of the pursuit of action

योगिनाम् – (पुं०) योगिन् + षष्ठी० व० व० = for those who pursue activity

O! Sinless One, the two-fold committed life style in this world, was told by Me in the beginning – the pursuit of knowledge for the renunciates and thee pursuit of action for those who pursue activity.

Notes

Notes

Notes

Notes